http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 112
प्रयागराज मंगलवार 07 जनवरी 2025
पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

सीएम योगी ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि, कहा...

धर्म और मानवता की रक्षा के लिए समर्पित रहा उनका जीवन

CM योगी ने
गुरु गोबिंद सिंह की
जयंती पर उन्हें दी
श्रद्धांजलि

लखनऊ,(एजेंसी)। आज देशभर में गुरु गोबिंद सिंह जयंती मनाई जा रही है गुरु गोबिंद सिंह जयंती सिख समुदाय का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो सिख धर्म के दसवें गुरू के रूप में जाने जाते हैं। योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर सोमवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरु गोबिंद सिंह सिखों के 10वें गुरु थे। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर लिखा, श्शमहान संत, सिखों के दशम गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु श्री गोविन्द सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटि–कोटि नमन!श्श उन्होंने कहा, श्शधर्म और मानवता की रक्षा के लिए समर्पित उनका पराक्रमी जीवन हम सभी को सत्य, सेवा और त्याग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है। यूपी डेक्सरू उत्तराखंड रोडवेजन प्रयागराज महाकुंभ में जाने वाले यात्रियों की सुविधा को देखते हुए वॉल्वो समेत दो बस सेवाएं शुरू करेगा। ये बस सेवाएं दस जनवरी से शुरू होंगी। दोनों सेवाएं देहरादून आईएसबीटी से चलेंगी। देहरादून ग्रामीण डिपो के सहायक महाप्रबंधक राजीव गुप्ता ने बताया कि साधारण बस सेवा सुबह दस बजे देहरादून से चलेगी, जो 20 घंटे में प्रयागराज पहुंचेगी। जबकि वॉल्वो एसी बस सेवा शाम पांच बजे देहरादून से रवाना होगी और 17 घंटे में प्रयागराज पहुंचेगी।

मोदी ने जम्मू रेल डिवीजन का उद्घाटन किया: कहा...

हाईस्पीड ट्रेन की बढ़ी मांग

● पीएम मोदी बोले- वह समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में रेल कनेक्टिविटी का भी अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। आज भारत, रेल लाइनों के शत–प्रतिशत विद्युतीकरण के करीब है। हमने रेलवे की पहुंच को भी लगातार बढ़ावा दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी जल्द ही वर्चुअल तरीके से कई रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना में न्यू जम्मू रेलवे डिवीजन, चारलापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया और ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगडा रेलवे डिवीजन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 की शुरुआत से ही भारत कनेक्टिविटी की तेज रफ्तार बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि मैंने कल दिल्ली NCR में श्नमो भारतश ट्रेन का शानदार अनुभव लिया और दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरुआत की। कल भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। घ्हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है। मोदी ने कहा कि हमने देखा है, पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक परिवर्तनों का रहा है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक दृश्यमान परिवर्तन आया है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण, रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, रेलवे की देश के कोने–कोने में कनेक्टिविटी, रेलवे से रोजगार का निर्माण और उद्योगों को सपोर्ट शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में रेल कनेक्टिविटी का भी अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। आज भारत, रेल लाइनों के शत–प्रतिशत विद्युतीकरण के करीब है।

मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह को नमन किया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर उन्हें नमन किया है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा मैं श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को उनके प्रकाश उत्सव पर नमन करता हूं। उनके विचार हमें एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं जो प्रगतिशील, समृद्ध और दयालु हो। उन्होंने पोस्ट में कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के व्यक्तित्व में अनेक विधाओं का संगम था। वह गुरु तो थे ही , भक्त भी श्रेष्ठ थे। वह जितने अच्छे योद्धा थे उतने ही बेहतरीन कवि और साहित्यकार भी थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद जी के मानवता की रक्षा के लिए , राष्ट्र की रक्षा के लिए ,धर्म की रक्षा के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान से देश दुनिया परिचित है।

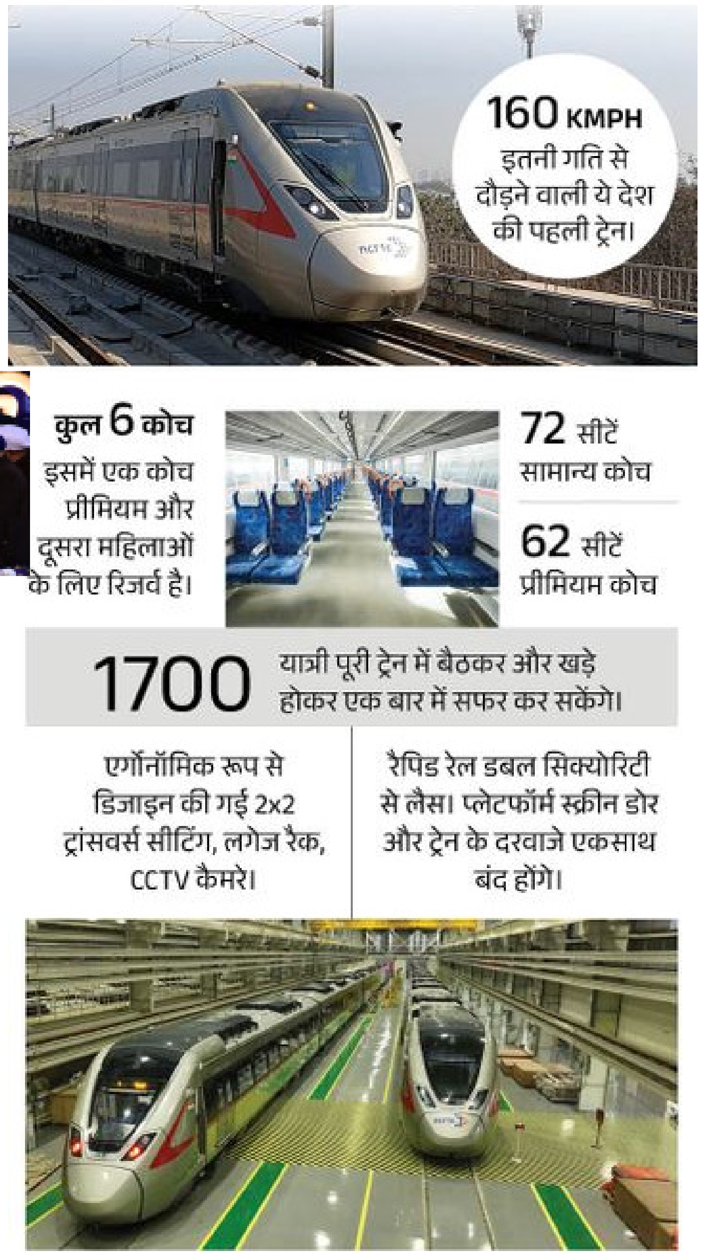
160 KMPH
इतनी गति से दौड़ने वाली ये देश की पहली ट्रेन।
कुल 6 कोच
इसमें एक कोच प्रीमियम और दूसरा महिलाओं के लिए रिजर्व है।
72 सीटें
सामान्य कोच
62 सीटें
प्रीमियम कोच
1700
यात्री पूरी ट्रेन में बैठकर और खड़े होकर एक बार में सफर कर सकेंगे।
एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई 2x2 ट्रांसवर्स सीटिंग, लगेज रैक, CCTV कैमरे।
रैपिड रेल डबल सिक्योरिटी से लैस। प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर और ट्रेन के दरवाजे एकसाथ बंद होंगे।

महाकुम्भ की वेबसाइट पर आए 183 देशों के 33 लाख

महाकुम्भ नगर। मानवता की अमूर्त विरासत के रूप में प्रसिद्ध सनातन संस्कृति के सबसे बड़े मानव समागम महाकुम्भ 2025 को लेकर सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लोगों में जिज्ञासा है। अपनी जिज्ञासा को शांत करने के लिए लोग इंटरनेट पर विभिन्न वेबसाइट्स और पोर्टल के जरिए महाकुम्भ के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं। इस जिज्ञासा का सबसे बड़ा समाधान उन्हें महाकुम्भ की आधिकारिक वेबसाइट https://kumbh-gov-in/ पर आकर मिल रहा है। वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार 4 जनवरी तक 183 देशों के 33 लाख से ज्यादा लोगों ने वेबसाइट पर आकर महाकुम्भ के विषय में जानकारी हासिल की है। इन देशों में यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका समेत सभी कांटिनेंट्स के लोग शामिल हैं। महाकुम्भ की वेबसाइट को हैंडल कर रही टेक्निकल टीम के प्रतिनिधि के अनुसार 4 जनवरी तक के डाटा के अनुसार अब तक 33 लाख 5 हजार 667 यूजर्स वेबसाइट पर आ चुके हैं। ये सभी यूजर्स भारत समेत पूरी दुनिया के 183 देशों से है। इन 183 देशों में से भी 6206 शहरों से वेबसाइट पर लोग आए हैं और उन्होंने यहां काफी समय भी बिताया है। वेबसाइट पर आने वाले टॉप–5 देशों की बात करें तो पहला नंबर निश्चित रूप से भारत का है, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और जर्मनी से भी लाखों लोग प्रतिदिन वेबसाइट पर आकर महाकुम्भ के बारे में जानकारियां जुटा रहे हैं। टेक्निकल टीम के अनुसार वेबसाइट के शुभारंभ के बाद से बड़ी संख्या में लोग वेबसाइट पर आ रहे हैं। हालांकि, जैसे–जैसे महाकुम्भ करीब आ रहा है वैसे–वैसे यूजर्स की संख्या लाखों में पहुंचती जा रही है।

दिल्ली सीट पर बड़ा खेल

● सीएम आतिशी का दावा, चुनाव में हेराफेरी की कोशिश कर रही भाजपा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के बीच राजनीतिक पार्टियां एक–दूसरे पर आरोप लगा रही हैं। मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नई दिल्ली विधानसभा में वोटों को लेकर घोटाले का बड़ा दावा किया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव में बड़े घोटाले का दावा किया है। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में घोटाला हो रहा है। नईदिल्ली विधानसभा सीट पर बड़ा खेल हो रहा है। गलत तरीके से वोट काटने की साजिश हो रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आतिशी के साथ आप सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा भी मौजूद रहे। सीएम आतिशी ने कहा कि जब हमने समीक्षा की तो पता चला कि एक बड़ा घोटाला हो रहा है। जब चुनाव आयोग की ओर से बीएलओ घर–घर जा रहे थे। तो उन्होंने वोटर्स को शिफ्ट क्यू नहीं किया। इससे साफ जाहिर होता है कि वोट काटने को लेकर एक बड़ा घोटाला चल रहा है। 10 फीसदी वोटर्स को जोड़ा गया है जबकि पांच फीसदी वोट काटे गए हैं। यह एक षड्यंत्र चल रहा है।आम आदमी पार्टी (आप) ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में घोटाले का आरोप लगाया है। सीएम आतिशी ने दावा किया कि जब समरी रिवीजन चल रहा था – जब चुनाव आयोग के बूथ लेवल अधिकारी घर–घर जा रहे थे, तो उन्हें मतदाताओं को शिफ्ट क्यों नहीं किया गया? इससे साफ है कि वोट काटने की साजिश चल रही है, गलत तरीके से...10: वोट जोड़ना और 5: हटाना– यही साजिश चल रही है। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के उनके बारे में दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान पर बोलते हुए रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि मैं रमेश बिधूड़ी को बताना चाहता हूं, मेरे पिता जीवन भर शिक्षक रहे, उन्होंने गरीब और निम्न–मध्यम वर्गीय परिवारों से आने वाले हजारों बच्चों को पढ़ाया है, अब वह 80 वर्ष के हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब वह वास्तव में बीमार हैं बिना मदद के चल भी नहीं सकते। क्या आप (रमेश बिधूड़ी) चुनाव के लिए ऐसा गंदा काम करेंगे? वह इस स्थिति पर आ गए हैं कि वह एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ गाली दे रहे हैं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस देश की राजनीति इतनी नीचे गिर सकती है। कालकाजी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने रविवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के उपनाम को लेकर टिप्पणी करके एक और विवाद खड़ा कर दिया। रोहिणी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'परिवर्तन रैली' को संबोधित करते हुए बिधूड़ी ने कहा कि आतिशी ने अपना उपनाम 'मार्लेना' से बदलकर 'सिंह' कर लिया है।

खरगे ने प्रकाश पर्व पर दी देशवासियों को शुभकामनाएं

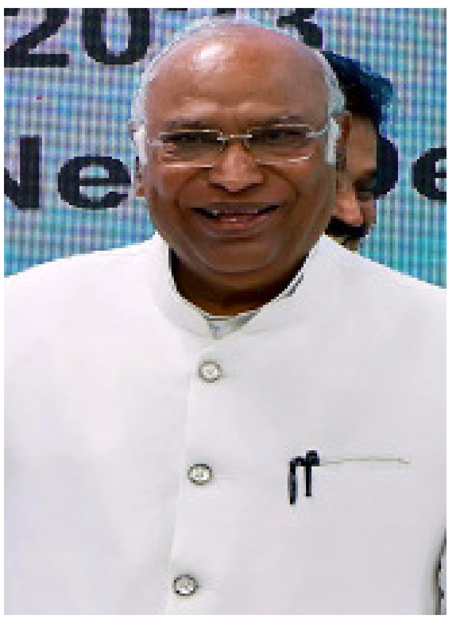

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह को प्रकाश पर्व पर नमन करते हुए देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। श्री खरगे ने कहा षसरबंस दानी, साहिब–ए–कमाल एवं सिख धर्म के दसवें गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक, धन धन श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ। उन्होंने सम्पूर्ण मानवता को शांति, प्रेम, एकता, समानता एवं भाईचारे का संदेश दिया तथा जन–जन के हृदय में मानव सेवा एवं सामाजिक सौहार्द की भावना जागृत की थी जो सदैव प्रेरणादायी रहेगी।ष कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक पेज पर गुरु गोविंद सिंह को याद करते हुए कहा षगुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती के शुभ अवसर पर हम उनके जीवन और विरासत को नमन करते हैं। आइए हम एकता, साहस और मानवता की उनकी शिक्षाओं को याद करें जो हमारे लिए मार्गदर्शन का एक स्थायी स्रोत हैं। उनके मार्ग पर चलते हुए आईए एक समावेशी समाज का निर्माण करने का हम प्रयास करें।ष

आनंद अखाड़े की निकली प्रवेश यात्रा

महाकुंभ नगर। सनातन धर्म और संस्कृति के रक्षक श्री तपोनिधि आनंद आखड़े ने सोमवार को परंपरा और क्रम के अनुसार महाकुम्भ 2025 के मेला क्षेत्र में दिव्य–भव्य छावनी प्रवेश किया। आनंद अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा मठ बाघम्बरी गद्दी से निकल कर भारद्वाजपुरम के लेबर चौराहे से मटियारोड होते हुए अलोपी देवी चौरहे पहुंची। अलोपी देवी से छावनी प्रवेश यात्रा दारंगज के दशाश्वमेध घाट से मुड़ कर शास्त्री ब्रिज के नीचे से होते हुए संगम क्षेत्र में प्रवेश कर गई। छावनी यात्रा का जगह–जगह नगरवासियों और नगर प्रशासन ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। संगम क्षेत्र में छावनी यात्रा के दौरान मेला प्रशासन के अधिकारियों ने अखाड़े के साधु–संन्यासियों और मण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वरों का स्वागत और अभिनंदन किया।

स्थापना दिवस पर पतंजलि का योग क्रांति के बाद अब पचिं क्रांतियों का शंखनाद

देहरादून,(एजेंसी)। पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव एवं महामंत्री आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में रविवार को पतंजलि संस्थान का 30वाँ स्थापना दिवस हरिद्वार स्थित पतंजलि वैलनेस स्थित योग भवन सभागार में हुआ। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने विगत 30 वर्षों की सेवा, संघर्ष एवं साधना का जिक्र करते हुए भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने योग क्रांति की सफलता के बाद पञ्च क्रांतियों का शंखनाद करते हुए कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक, वैचारिक–सांस्कृतिक एवं रोगों–भोगों–ग्लानि–कुण्ठाओं से आजादी का बड़ा कार्य पतंजलि से प्रारंभ करना है। स्वामी रामदेव ने कहा कि आज 50 से 90 और कहीं–कहीं तो 99 प्रतिशत पढ़े–लिखे बेरोजगार, नशेड़ी, चरित्रहीन निस्तेज बच्चे तैयार हैं। जिनका बचपन, यौवन और हमारा कुलवंश खतरे में है। हमनें यह तय किया है कि पहले भारतवर्ष में और फिर पूरी दुनिया में नई शिक्षा व्यवस्था का शंखनाद करेंगे और उसका नेतृत्व भारत करेगा। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि हम आगामी पाँच वर्षों में पांच लाख विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ेंगे। ये शिक्षा की अभिनव क्रांति होगी। परम अध्यक्ष रामदेव ने दूसरी क्रांति चिकित्सा के क्षेत्र में करने की बात कहते हुए संकल्प व्यक्त किया कि हम लोगों को रोगी होने से बचायेंगे भी और रोग होने के बाद उन रोगों से योग–आयुर्वेद के माध्यम से लोगों को मुक्ति दिलाएँगे। उन्होंने तीसरी क्रांति आर्थिक आजादी के लिए संकल्प व्यक्त किया कि स्वदेशी का आंदोलन इतना बड़ा खड़ा हो कि आर्थिक लूट, गुलामी और दरिद्रता से भारत निकले तभी भारत परम वैभवशाली बनेगा। उन्होंने कहा कि बीपी, शुगर, थायरॉइड, अस्थमा, आर्थराइटिस, स्ट्रैस, डिप्रेशन, नींद आदि बीमारियों की गोलियाँ छुड़वाकर हम देश के प्रतिवर्ष 100 से 200 लाख करोड़ रुपए बचाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की उच्चाधिकार समिति से मिलेगा किसानों का प्रतिनिधिमंडल

डल्लेवाल का अनशन जारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि वे (पंजाब सरकार) प्रदर्शनकारी किसानों को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नवाब सिंह की अध्यक्षता वाली समिति से मिलने के लिए राजी करने में सफल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को किसान आंदोलन के मुद्दे पर सुनवाई टाल दी। दरअसल प्रदर्शनकारी किसानों का प्रतिनिधिमंडल सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति से मुलाकात करने के लिए तैयार हो गया है। यह मुलाकात सोमवार को दोपहर तीन बजे के करीब होगी। पंजाब सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में यह जानकारी दी। पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल भी शामिल हैं, जो बीते 40 दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जनवरी तक टाली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि वे (पंजाब सरकार) प्रदर्शनकारी किसानों को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नवाब सिंह की अध्यक्षता वाली समिति से मिलने के लिए राजी करने में सफल रहे हैं। सिब्बल ने कहा, श्हम किसानों को मनाने में सफल रहे हैं। कृपया मामले को किसी और दिन के लिए टाल दें। हमें कुछ सफलता मिलने की उम्मीद है।

श इसके बाद शीर्ष अदालत ने सिब्बल से विचार–विमर्श का संक्षिप्त नोट तैयार करने को कहा और सुनवाई 10 जनवरी के लिए स्थगित कर दी। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे।

जैसे सीरिंज लगा कर खून निकालना

दुनिया के सभ्य, विकसित और लोकतांत्रिक देशों ने अपने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा का कवच उपलब्ध कराया है। उन्हें मुफ्त में अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा मिलती है। उनके लिए रोजगार की व्यवस्था की जाती है और रोजगार खत्म होते ही तत्काल भत्ता मिलता है। सरकार उनके लिए सम्मान से जीने की स्थितियां मुहैया कराती हैं। इसके उलट भारत में नागरिकों को मुफ्त की रेवड़ी, खैरांत बांटते है। वह भी किसी नियम या कानून के तहत नहीं, बल्कि पार्टियों और सरकारों की चुनावी योजना के तहत। यह इतना तदर्थ होता है कि चुनाव में नेता प्रचार करते हैं कि, देखो वह तो मुफ्ती की रेवड़ी दे रहा है लेकिन अगर दूसरी पार्टी आ गई तो वह इसे बंद कर देगी। सोचें, क्या दुनिया के किसी दूसरे देश में नागरिकों के साथ ऐसा हो सकता है?

ऐसा नहीं है कि सामाजिक सुरक्षा देने वाले देशों की तरह भारत ने टैक्स की व्यवस्था नहीं की है। भारत में टैक्स ऐसे लिया जाता है, जैसे सीरिंज लगा कर खून निकाला जाता है। प्रत्यक्ष कर यानी आयकर भरने वालों की संख्या तो दो चार प्रतिशत ही है लेकिन 140 करोड़ लोगों से अप्रत्यक्ष कर यानी जीएसटी, उत्पाद शुल्क, पेट्रोलियम उत्पादों पर शुल्क, टोल टैक्स आदि वसूले जाते हैं। इसमें सरकार समभाव रखती है। देश के सबसे अमीर आदमी से भी उतना ही टैक्स लेती है, जितना सबसे गरीब आदमी से। इसके बावजूद भारत में चल रही मुफ्त की रेवड़ी की व्यवस्था बिल्कुल वैसे ही है जैसे रक्तदान के समय तीन सौ मिलीलीटर खून निकाला जाता है और रक्तदान करने वाले को जूस का एक टेट्रा पैक पकड़ा दिया जाता है। सरकार मनमाने तरीके से टैक्स से पैसे वसूलती है और मुफ्त की रेवड़ी के रूप में जूस का एक टेट्रा पैक पकड़ा देती है। नीति बना कर नागरिकों को सम्मान के साथ जीने के लिए सामाजिक सुरक्षा के कानून नहीं बनते हैं।

यहां मुफ्त की रेवड़ी का चलन है, जो हर चुनाव के साथ बढ़ता जा रहा है। अभी मिसाल के तौर पर महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव को ही देखें तो हैरानी होगी कि कैसे चुनावी लाभ के लिए इतना कुछ मुफ्त में देने की घोषणा की जा सकती है? हर पार्टी समान रूप से इस काम में शामिल है। 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने किसान सम्मान निधि के नाम पर किसानों के खाते में हर साल छह हजार रुपए यानी पांच सौ रुपया महीना डालने का ऐलान किया। यह योजना आज तक चल रही है। सोचें, किसानों की आमदनी बढ़ाने, उनकी फसलों की कानूनी कीमत तय करने, कृषि लागत कम करने जैसे नीतिगत उपायों की बजाय सरकार ने पांच पांच सौ रुपए देने का फैसला किया। इसी तरह कोरोना के समय पांच किलो मुफ्त अनाज देने की जो योजना शुरू हुई उसको सीधे 2029 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। पिछले साल के अंत में छत्तीसगढ़ में चल रहे विधानसभा चुनाव के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में इसकी घोषणा की। सोचें, इतनी बड़ी नीतिगत घोषणा चुनावी रैलियों में होती है! बाद में सरकारी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी और पिछले दिनों सरकार की ओर से इसकी औपचारिक मंजूरी दी गई। इसी तरह पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और दूसरी पार्टियों ने हर महीने आठ हजार रुपए लोगों के खाते में खटाखटा डालने का वादा किया था।

भारत सरकार का कड़ा इम्तहान

अब सवाल है कि क्या भारत सरकार भारत की दोनों सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनियों को नाराज कर ऐसा फैसला करेगी, जो स्टारलिंक चाहती है? या वो रुख बदल कर मस्क, और प्रकारांतर में अमेरिका की नाराजगी मोल लेगी?कंपनियों को सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम कैसे दिया जाए, इस मुद्दे पर भारत सरकार का कड़ा इम्तहान है। वजह यह कि विदेशी और देशी कंपनियां आमने–सामने खड़ी हो गई हैं। फिलहाल भारत सरकार का रुख दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक के हक में झुका लगता है। इस रुख का समर्थन अमेजन कंपनी भी कर रही है। मगर इस रुख के खिलाफ भारत में दूरसंचार क्षेत्र की दो सबसे बड़ी कंपनियों रिलायंस जियो और भारती एयरएटल ने मोर्चाबंदी कर ली है। पहले एयरटेल का रुख भी यह था कि सैटेलाइट स्पेक्ट्रम का भारत सरकार प्रशासनिक आवंटन करे। लेकिन इस हफ्ते अचानक रुख बदलते हुए उसने रिलायंस जियो की इस मांग का समर्थन कर दिया कि इस स्पेक्ट्रम की नीलामी होनी चाहिए। मस्क भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा शुरू करने की तैयारी में हैं।

इस क्षेत्र में उनका मुकाबला भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो और अब भारती एयरटेल के मालिक सुनील मित्तल से भी है। नरेंद्र मोदी सरकार के बारे में गहरी धारणा है कि उसकी नीतियों को तय करने में अंबानी समूह की मर्जी महत्त्वपूर्ण होती है। लेकिन इस मामले में अब तक उसका रुख इस समूह की इच्छा के खिलाफ है। यहां तक कि रिलायंस ने प्रशासनिक आवंटन होने की स्थिति में कोर्ट में जाने का इरादा जता रखा है।इसके बावजूद दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस हफ्ते कहा कि स्पेक्ट्रम को भारतीय कानूनों के मुताबिक प्रशासकीय रूप से आवंटित किया जाएगा और इसकी कीमत टेलीकॉम नियामक तय करेगा। उनके इस बयान का इलॉन मस्क ने सार्वजनिक रूप से स्वागत किया है। अब सवाल है कि क्या भारत सरकार भारत की दोनों सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनियों को नाराज कर ऐसा फैसला करेगी, जो स्टारलिंक चाहती है? या वो रुख बदल कर मस्क की नाराजगी मोल लेगी? मस्क इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डॉनल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में ट्रंप जीतते हैं, तो मस्क के प्रभाव में और बढ़ोतरी होगी। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत सरकार के सामने कठिन चुनौती है।

अनाज को बढ़ावा देने की क्रांतिकारी पहल

नरेंद्र सिंह तोमर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, भारतीय अध्यक्षता में जी20 का आयोजन समग्र देश को गौरवान्वित कर रहा है। जन–जन को गर्व की अनुभूति है। अमृतकाल के युग में प्रवेश करता भारत, विकास और सामाजिक प्रगति की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा के पथ पर आगे बढ़ चुका है। ये पल अविस्मरणीय है व देशवासियों के लिए उत्साह का संचार करने वाले हैं। यह सुखद अहसास अपनी सीमाओं से परे तक विस्तृत है, जो वैश्विक विकास के प्रक्षेप पथ के लिए एक मानक स्थापित करता है। इस वृहद आयोजन के दौरान जी20 के कृषि कार्य समूह (एडब्ल्यूजी) की हुई बैठकें भी ऐतिहासिक रही, वहीं जी20 के कृषि मंत्रियों को प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा दिए गए संदेश में यह प्रतिध्वनित हुईरू कृषि में भारत की जी20 प्राथमिकताएं हमारी एक पृथ्वी की अवधारणा को पोषित करने, हमारे एक परिवार के भीतर सद्भाव उत्पन्न करने और उज्ज्वल एक भविष्य की आशा देने पर केंद्रित हैं।

कृषि कार्य समूह की उपलब्धियां 200 से अधिक प्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिन्होंने गत महीनों में देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर से लेकर चंडीगढ़ के सुनियोजित शहरी परिदृश्य तक की यात्रा की, फिर पवित्र शहर वाराणसी तक और अंततरू मनमोहक मोतियों के शहर, हैदराबाद तक पहुंचे।

सतत विकास लक्ष्य–2 (एसडीजी–2) में रेखांकित एक प्रमुख वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लक्ष्य हासिल करने को हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2030 तक शून्य भूख एसडीजी तक पहुंचने में केवल सात वर्ष शेष हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि यह स्थिति वर्ष 2015 से अपरिवर्तित बनी हुई है। कोविड–19 महामारी और जलवायु परिवर्तन के लगातार प्रभाव जैसे कारक वर्ष 2030 में 670 मिलियन लोगों को भूखा बना सकते हैं, ऐसी चुनौती है, लेकिन भारत, अपने जी–20 कृषि कार्य समूह की अध्यक्षता के तहत, इन चुनौतियों का समाधान करने और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक ऐतिहासिक सहमति बनीं, जिसमें जी–20 के कृषि मंत्रियों ने खाद्य सुरक्षा व पोषण पर डेक्कन उच्च स्तरीय सिद्धांतों का समर्थन करने पर सहमति व्यक्त की है।

ये सिद्धांत वैश्विक खाद्य सुरक्षा संकटों के समाधान में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में प्रयासों को सुदृढ़ करने में जी–20 की सामूहिक जिम्मेदारी को प्रदर्शित करते हैंरू

- संवेदनशील स्थितियों में देशों और आबादी को मानवीय सहायता की सुविधा प्रदान करनाय
- पौष्टिक भोजन की उपलब्धता और पहुंच बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा ढांचे को सशक्त करनाय
- जलवायु अनुकूल व सतत कृषि और खाद्य प्रणालियों के लिए नीतियां व सहयोग सशक्त करनाय
- कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला में लचीलापन और समावेशिता को मजबूत करनाय
- स्वास्थ्य उपागम को बढ़ावा देनाय
- नवाचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग में तेजी लाना और
- कृषि में उत्तरदायी सार्वजनिक और निजी निवेश को बढ़ाना।

खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करना

भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान की गई प्रत्येक प्रतिबद्धता पर कार्यवाही करने में सबसे आगे रहा है। एक उत्तरदायी वैश्विक खिलाड़ी के रूप में, हमारे देश ने खाद्य संकट और आपात स्थिति का सामना कर रहे देशों को मानवीय खाद्य सहायता में लगातार अपना हाथ आगे बढ़ाया है। यहां तक कि कोविड–19 महामारी के दौरान भी, भारत ने खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अपने पड़ोसियों और अफ्रीका सहित कई देशों को हजारों मीट्रिक टन गेहूं, चावल, दालों के रूप में खाद्य सहायता प्रदान की।भारत यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी नागरिक भूखा न सोएं। हमारी एक राष्ट्र–एक राशन कार्ड पहल लाभार्थियों को देशभर में सब्सिडी के खाद्यान्न निर्बाध प्राप्त करने की अनुमति देती है। वर्ष 2018 में प्रारंभ पोषण अभियान कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। यह कमजोर, गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं, शिशुओं, बच्चों और किशोरों को कवर करते हुए जीवनचक्र में पोषण संबंधी परिणामों में सुधार करने का एक अनूठा कार्यक्रम है।

भारत सरकार देश में भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में अल्पकालिक अस्थायी राहत और दीर्घकालिक विकास कार्यों पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है। सतत कृषि के अपने प्रयास में, हम जलवायु–स्मार्ट कृषि पद्धतियों, सटीक कृषि और जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। कृषि में आपदा व जलवायु सहिष्णुता के लिए हमने अनेक कार्यक्रम कार्यान्वित किए हैं। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन का उद्देश्य बाहर से खरीदे गए इनपुट, लागत व कटौती से मुक्ति के लिए खेती की वैकल्पिक प्रणाली को बढ़ावा देना है। इसी प्रकार, परंपरागत कृषि विकास योजना में जैविक उत्पादों के विपणन के लिए राज्यों द्वारा विभिन्न ब्रांड विकसित किए गए हैं। समावेशिता की भावना के साथ, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोडने व दुर्गम इलाकों में संपूर्ण मूल्य श्रृंखला विकास का समर्थन करने के लिए वस्तु–विशिष्ट, केंद्रित, प्रमाणित जैविक उत्पादन समूहों को विकसित करने के लिए मिशन लागू किए गए हैं। हमने 1,752 जलवायु–सहिष्णु फसल किस्में विकसित की है व देशभर में प्रत्येक जिले में एक प्रतिनिधि गांव लेकर 151 संवेदनशील जिलों में जलवायु–सहिष्णु गांवों की स्थापना की है, वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों द्वारा दिए गए प्रत्येक प्रीमियम का चार गुना से अधिक दावा प्राप्त हुआ है।

भोजन की हानि और बर्बादी को कम करनारू

खाद्य सुरक्षा के प्रयासों में, हमें भोजन की हानि व भोजन की बर्बादी जैसे गंभीर मुद्दों का समाधान करना होगा। यहां तक कि हमारे प्राचीन ग्रंथों (तैत्तिरीय उपनिषद्) में भी अन्नीं न परिचक्ष त। तद्व्रतम् अर्थात– भोजन कभी बर्बाद न करें, क्योंकि यह एक व्रत है, का उल्लेख है। विश्व स्तर पर, अनुमानित 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का 14 प्रतिशत भोजन फसल कटाई के दौरान नष्ट हो जाता है व 17 प्रतिशत से अधिक खुदरा व उपभोक्ता स्तर पर बर्बाद हो जाता है, आपूर्ति श्रृंखला में तकनीकी सीमाएं इस समस्या में योगदान करती हैं, अतरू उपभोक्ता के दृष्टिकोण से इसके समाधान के लिए भोजन की हानि व बर्बादी से उत्पन्न पारिस्थितिक प्रभाव कम करने के लिए मानव व्यवहार में परिवर्तन की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी जी का पर्यावरण के लिए मिशन लाइफ का आह्वान सतत् परिपाटियों को अपनाने और अपशिष्ट को कम करने तथा संसाधनों के संरक्षण के लिए अपने दैनिक जीवन में जागरूक विकल्प तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करता है। सरल जीवन शैली में बदलाव और सचेत उपभोग से उत्पादन प्रणाली पर बोझ डाले बिना भोजन की बर्बादी को कम किया जा सकता है।

छोटी जोत वालों और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना

जी–20 वैश्विक खाद्य उत्पादन में छोटे जोतधारकों के महत्व को पहचानता है। हमारे कृषि परिदृश्य में छोटे–मझौले किसानों की भूमिका से सरकार भली–भांति परिचित है, जिन्हें सशक्त बनाने के लिए हमने कृषि सखी कार्यक्रम शुरू किया है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीकों में प्रशिक्षण व ऋण तक पहुंच प्रदान करता है। हम ई–नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) प्लेटफॉर्म का विस्तार कर रहे हैं ताकि किसानों को उनकी भौगोलिक स्थिति के बावजूद उपज का उचित मूल्य मिल सकें।

नवाचार और प्रौद्योगिकी अपनानारू

जी–20 उत्पादकता और सततता में वृद्धि के लिए कृषि में नई प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देता है। हम कृषि में बदलाव के लिए प्रौद्योगिकी को तेजी से अपना रहे हैं। फसलों के लिए रिमोट सेंसिंग–आधारित उपज अनुमान के लिए यसटेक, मौसम की जानकारी एकत्र करने के लिए विंड्स और बीमा कंपनियों द्वारा पारदर्शी गणना व दावा निपटान के लिए डिजीक्लेम जैसी कुछ पहलें उल्लेखनीय हैं। बेहतर योजना, रणनीति निर्माण और नीति–निर्माण की सुविधा प्रदान करने वाले एक डिजिटल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एग्रीस्टैक नामक एक फेडरेटेड आर्किटेक्चर भी विकसित किया जा रहा है। हाल ही में, भारत जलवायु–स्मार्ट कृषि के विकास को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा शुरू किए गए जलवायु के लिए कृषि नवाचार मिशन में शामिल हो गया है। इससे खेती में एआई, आईओटी और रिमोट सेंसिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के विकास व इसे अपनाने को बढ़ावा मिलेगा। हम किसानों को रियल टाइम जानकारी व सेवाओं के साथ सशक्त बनाने हेतु इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार करके ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल विषमता को दूर करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं ।

युवाओं के नेतृत्व वाले कृषि स्टार्टअप

आज के युवा भारत की कृषि विकास गाथा में शामिल हो रहे है। एक्सेलेरेटर फंड के समर्थन से, युवा उद्यमी देश के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि–स्टार्टअप स्थापित कर रहे हैं। सामूहिकता की शक्ति का दोहन करने के लिए सरकार, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। कृषि–स्टार्टअप, विशेष रूप से डिजिटल कृषि के क्षेत्र में, मुख्यतरू ग्लोबल साउथ में सहयोग का अवसर प्रस्तुत करते हैं। विकसित देशों के पास तकनीकी अवसंरचना है, जबकि भारत की शक्ति विशेषज्ञता में निहित है। जी–20 कृषि मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत के कृषि स्टार्टअप्स के प्रदर्शन ने, विशेष रूप से डिजिटल क्षेत्र में निरंतर भागीदारी के लिए अंतरराष्ट्रीय सराहना के साथ ही समर्थन प्राप्त किया है।

अन्नरू सुपर फूड को बढ़ावा देना

अन्न (मिलेट्स) की खेती हजारों वर्षों से की जा रही है, लेकिन जैसे–जैसे बाजार–विपणन ने हमारी पसंद को प्रभावित किया, भोजन के रूप में उनकी मांग कम हो गई, लेकिन वर्तमान संदर्भ में, खाद्य सुरक्षा उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वैश्विक कृषि के विविधीकरण की आवश्यकता है, जिसमें अन्न जैसी फसलों को शामिल करना होगा, जिनका वर्तमान में कम उपयोग किया जाता है, लेकिन विश्व खाद्य आपूर्ति को अधिक सहिष्णु, सतत–पौष्टिक बनाने के लिए उच्च उत्पादन, खपत क्षमता रखते हैं। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में घोषित किया गया। इस गति को और तेज करने के लिए भारत की जी–20 अध्यक्षता के तहत एक क्रांतिकारी पहल मिलेट्स (अन्न) और अन्य प्राचीन अनाज अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पहल (महर्षि) की शुरूआत की गई है। महर्षि पहल भारत के लिए अपार संभावनाएं रखती है, जो सततता और नवाचार को बढ़ावा देते हुए महत्वपूर्ण पोषण और कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। इसका अंतरराष्ट्रीय सहयोग, विशेष रूप से जलवायु–सह्य फसलों पर, भारत व वैश्विक पोषण, खाद्य सुरक्षा और सतत कृषि दोनों को लाभ पहुंचाता है। दुनियाभर के जाने–माने वैज्ञानिक और नेता इस पहल में रूचि व्यक्त कर रहे हैं, जो भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और वैश्विक कृषि व पोषण संबंधी मुद्दों के समाधान की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। महर्षि की पहल खाद्य सुरक्षा, पोषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच एक सतत् और खाद्य–सुरक्षित भविष्य के लिए प्रयास करते हुए आशा और अभिनव समाधान प्रदान करती है, जिसका वैश्विक स्तर पर भी महत्व रहेगा।

लेखक कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार हैं

भारत ढूंढ रहा है कूटनीतिक समाधान

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर भारत को दुविधा में डाल दिया है। अंतरिम सरकार के मंत्रियों ने जिस तरह से भारत और बांग्लादेश के बीच कैदियों के प्रत्यर्पण की संधि का हवाला देते हुए हसीना को वापस देश भेजने का अनुरोध किया है उससे भारत सरकार की दुविधा बढ़ना लाजमी है। दुविधा के दो बड़े कारण है। प्रथम, हसीना भारत की भरोसेमंद सहयोगी रही है। यदि भारत यूनुस सरकार की मांग को स्वीकार कर शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए तैयार हो जाता है, तो हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्त्ताओं और समर्थकों में भारत के प्रति जो विश्वास का भाव है वह डगमगा उठेगा। दूसरा भारत के इस कदम से भारत–बांग्लादेश संबंधों के संपूर्ण इतिहास पर प्रश्न उठ खड़े होंगे। इसके विपरित यदि भारत प्रत्यर्पण की मांग को अस्वीकार करता है तो उसके सामने कई मोर्चे खुल जाएंगे। अंतरिम सरकार के अनुरोध को खारिज करने का सीधा–सीधा असर भारत–बांग्लादेश संबंधों पर पड़ेगा। भारत के इंकार से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ तनाव बढ़ सकता है। हाल–फिलहाल बांग्लादेश जिस दौर से गुजर रहा है, जाहिर है भारत उसमें संबंधों को और अधिक खराब नहीं करना चाहेगा। दुविधा का एक बड़ा कारण यह भी है कि यदि भारत अंतरिम सरकार के अनुरोध को ठुकराता है तो अंतरराष्ट्रीय संधि और समझौतों के प्रति उसकी आस्था संदिग्ध हो जाएगी। जाकिर नायक, ललीत मोदी और नीरव मोदी जैसे भगोड़ों को वापस देश में लाने की उसकी मुहिम भी कमजोर पड़ जाएगी। सवाल है दुविधा की इस स्थिति में भारत क्या करे। फिलहाल भारत ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है।

इस साल अगस्त में तख्ता पलट के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। सुरक्षा की दृष्टि से उस वक्त वे देश छोड़कर भारत आ गई थी। उसके बाद से वे भारत में है। अब बांगलादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने भारत सरकार को औपचारिक राजनयिक संदेश भेजकर कहा है कि बांग्लादेश सरकार चाहती है कि शेख हसीना न्यायिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए बांग्लादेश वापस आए। हसीना पर बांग्लादेश में 200 से ज्यादा मामले दर्ज है जिनमें भ्रष्टाचार, मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं।

दरअसल, भारत इस मामले में एक कूटनीतिक समाधान की तलाश कर रहा हैं। वह जानता है कि प्रत्यर्पण पर उसका का कोई भी निर्णय भारत–बांग्लादेश संबंधों पर असर डाल सकता है। ऐसे में वह उन तमाम विकल्पों पर विचार कर आगे बढ़ना चाहेगा जो मानवीय, कानूनी और कूटनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखने में मददगार हो। हालांकि, भारत इस बात को भी जानता है कि बांग्लादेश की जिस सरकार ने प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है उसकी कोई संवैधानिक हैसियत नहीं है। हसीना भी भारत में राजनीतिक शरणार्थी की हैसियत से पनाह लिए हुए है। बांग्लादेश जिस प्रत्यर्पण संधि का हवाला देकर हसीना की वापसी की मांग कर रहा है उसमें राजनीतिक मुद्दों के मामले मे प्रत्यर्पण को बाहर रखा गया है।

शेख हसीना के शासनकाल में भारत और बांग्लादेश ने वर्ष 2013 में अपनी साझा सीमाओं पर उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के लिए रणनीतिक उपाय के रूप में प्रत्यर्पण संधि को लागू किया था। वर्ष 2016 में दोनों देशों द्वारा वांछित भगोड़ों के आदान–प्रदान की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए इसमें संशोधन किया गया। संधि में जिन व्यक्तियों के प्रत्यर्पण का प्रावधान किया गया है वे ऐसे अपराधों के दोषी हो जिनके लिए कम से कम एक वर्ष की सजा हो सकती है। वर्ष 2016 के संशोधन में इस संधि में अपराधी के खिलाफ ठोस सबूत प्रस्तुत करने की आवश्यकता को समाप्त कर प्रत्यर्पण की चुनौतियों को काफी कम दिया गया है। लेकिन संधि के अनुच्छेद 6 के अनुसार यदि अपराध 'राजनीतिक प्रकृति' का है, तो प्रत्यर्पण से इन्कार किया जा सकता है। इसके अलावा संधि के अनुच्छेद 8 मे प्रत्यर्पण से इंकार के आधारों की जो सूचि दी गई है, उसमें कहा गया है कि किसी व्यक्ति को भारत उस स्थिति में भी प्रत्यर्पित करने से इंकार कर सकता है, जब उसे लगे कि प्रत्यर्पण किए जाने वाले के खिलाफ लगाए गए आरोप न्यायसंगत नहीं है और उसमें सियासी साजिश नजर आ रही हो। असाधारण परिस्थितियों में भी भारत किसी व्यक्ति को प्रत्यर्पित करने से इंकार कर सकता है। खासकर जब उसकी जान को खतरा हो या निष्पक्ष सुनवाई पर संदेह हो। बांग्लादेश की मौजूदा परिस्थितयां और अस्थिर माहौल को देखते हुए भारत इस परन्तुक पर आगे बढ़ सकता है।

पूरे मामले में एक एंगल पाकिस्तान का भी है। तख्तापलट के बाद जिस तरह से हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हिंसा और हिन्दू मंदिरों में तोड़–फोड़ की घटनाएं हो रही है, उससे भारत–बांग्लादेश संबंधों में तल्खी उत्पन्न हो गई है। भारत समर्थक सरकार के पतन के बाद अब पाकिस्तान इस स्पेस को भरना चाहता है। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पाकिस्तान की खुलकर मदद कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि उनकी सरकार अपने देश के कारोबारियों को जबरन पाकिस्तान के साथ करोबार करने और वहां से सामान इम्पोट करने का दबाव बनाया जा रहा है। शिपिंग मंत्रालय के भी कुछ अधिकारी भारत–बांग्लादेश शिपिंग समझौते की समीक्षा करने का सूझाव दे रहे है। इस समझौते के तहत ही भारत के जहाजों को बांग्लादेश स्थित चटगांव और मोंगला बंदरगाह तक जाने की इजाजत है।

पिछले सप्ताह मिस्र की राजधानी काहिरा में हुई मुस्लिम देशों की समिट डी–8 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और मोहम्मद यूनुस की मुलाकात हुई। समिट ने शहबाज ने बांग्लादेश को भाई बताया तो वहीं यूनुस ने 1971 के खूनी इतिहास को भुलाकर पाकिस्तान के साथ लंबित मुद्दों को हमेशा के लिए सुलझाने की बात कही हैं। अगस्त में तख्तापलट के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी मुलाकात है। ऐसे में बाग्लादेश की मांग को तल्ख रवैये के रूप में ही देखा जाना चाहिए ।

भारत पूरे मामले में फूंक–फूंक कर कदम रखने की नीति पर आगे बढ़ रहा है। प्रत्यर्पण की टाइमिंग को देखते हुए भारत की यह नीति सही ही हैं। हालांकि, प्रधामंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण संधि के प्रावधानों के अनुरूप तो सकता है लेकिन बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति और राजनीतिक प्रतिशोध के इस माहौल में उनकी वतन वापसी मानवीय दायित्वों के अनुरूप नहीं है। यही कारण है कि भारत इस मामले में एक कूटनीतिक समाधान की तलाश कर रहा हैं। यह समाधान किसी तीसरे देश में शरण देने की संभावनाओं के रूप में भी हो सकता है।

शीतलहर में कोई भी गरीब, असहाय व्यक्ति खुले में न सोये

जिलाधिकारी ने गरीबों, असहायों को कम्बल का किया वितरण एवं रैन बसेरों व अलाव जलने वाले स्थलों का किया निरीक्षण,

प्रतापगढ़। जनपद में कड़ाके की ठंड एवं शीतलहर से जरूरतमंदों, गरीबों, असहायों, कमजोर वर्ग को राहत दिलाने के लिये जिलाधिकारी संजीव रंजन ने मंगलवार को देर रात्रिकाल में विभिन्न स्थलों पर जाकर लोगों को कम्बल का वितरण किया तथा जनपद में स्थापित रैन बसेरों व अलाव जलने वाले स्थलों का निरीक्षण भी किया। रात्रिकालीन भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने गरीब, असहाय व्यक्तियों व बच्चों को आने वाले नये वर्ष की बधाई दी। डीएम ने रोंडबेज बस स्टैण्ड पहुॅचकर वहां पर बने रैन बसेरा व जल रहे अलाव का निरीक्षण किया एवं इस दौरान वहां पर उपस्थित गरीब, असहायों को कम्बल का वितरण किया। जिलाधिकारी ने इस दौरान एआरएम रोडबेज से बसो के संचालन के सम्बन्ध में जानकारी भी प्राप्त की।

➤ जनपदवासी गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को जनपद में स्थापित रैन बसेरा की सूचना अवश्य दें–जिलाधिकारी

इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने भंगवा चुंगी चौराहा पहुॅचकर अलाव का निरीक्षण किया तो मौके पर अलाव जलता हुआ पाया गया। रेलवे स्टेशन पहुॅचकर जिलाधिकारी ने आने जाने वाले यात्रियों से वार्ता की और वहां पर निराश्रित एवं असहाय लोगों को कम्बल का वितरण भी किया। इसी प्रकार डीएम ने तुलसीसदन (हादीहाल) में बनाये गये रैन बसेरा का निरीक्षण कर वहां पर बनाये गये रजिस्टर का अवलोकन किया एवं गरीबों एवं असहायों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने चौक घण्टाघर चौराहा पहुॅचकर अलाव का निरीक्षण किया एवं वहां पर गरीब, असहायों को कम्बल का वितरण भी किया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठण्ड के दृष्टिगत चिन्हित स्थानों पर अलाव जलता रहे, ठण्ड के दौरान कोई भी गरीब, असहाय व्यक्ति सड़क के किनारे खुले में न सोने पाये, यदि कोई व्यक्ति खुले में सोता हुआ पाया जाये तो उसे रैन बसेरा में भेजवाया जाये। जिलाधिकारी ने बताया है कि जनपद में 74 अलाव हेतु चिन्हित स्थल एवं 21 रैन बसेरा बनाये गये है। उन्होने उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने–अपने क्षेत्र के अन्तर्गत रात्रिकाल में भ्रमण कर अलाव का निरीक्षण करते रहे यदि कहीं पर आवश्यकता है तो अलाव अवश्य जलवायें व कम्बल का वितरण भी करायें। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुये कहा कि रात्रिकाल में कोई भी गरीब एवं असहाय व्यक्ति आये तो उसे जनपद में स्थापित रैन बसेरा की सूचना अवश्य दें जिससे वहां रैन बसेरा में पहुॅचकर ठण्ड से बच सके। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, ईओ नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार, जिला आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी आदि उपस्थित रहे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से लाइनमैन की मौत

जयसिंहपुरध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के दोस्तपुर थाना अंतर्गत बनी अलहादादपुर गांव में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां लाइट ठीक करते समय एक लाइनमैन करंट लगने से खम्भे पर ही चिपक गया। वो काफी देर तक पोल पर ही झूलता रहा।जिससे स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरु करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मुस्तफाबाद कला गांव का निवासी है प्राइवेट लाइनमैन।सोमवार दोपहर दोस्तपुर क्षेत्र के मुस्तफाबाद कला गांव निवासी प्राइवेट लाइनमैन इंद्र विश्वकर्मा (38) वर्ष विद्युत पोल पर चढ़कर लाइट सही कर रहा था। इसी बीच अचानक हाईटेंशन विद्युत की चपेट में आकर वह पोल पर झुलस कर लटक गया। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। और घटना को देखकर सभी अचंभित हो गए। बड़ी मशक्कत कर लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसे नीचे उतारा और इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए। इससे पहले युवक इंद्र की मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस व बिजली विभाग ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस संबंध में तहसीलदार मयंक मिश्र कहना है कि

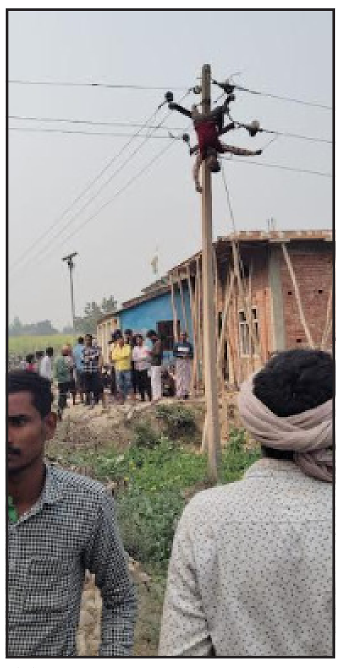

मौके पर पहुंचकर जांच व बिजली विभाग के सम्बंधित से वार्ता के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

तेज़ रफ्तार बोलेरो में टक्कर, 6 जख्मी

सोनभद्र। सिंगरौली जिले के खुटार चौकी क्षेत्र अंतर्गत हरैया गांव मुख्य सड़क पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में तेज़ रफ्तार बोलेरो और स्विफ्ट डिजायर की आमने–सामने की टक्कर में दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। इस हादसे में बोलेरो वाहन में सवार चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्विफ्ट डिजायर के चालक और उसमें सवार एक तहसील के कर्मचारी भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भिजवाया। हरैया गांव के पास हुआ हादसा घटना के बाद पुलिस और स्थानीय लोग तुरंत राहत और बचाव कार्य में जुट गए। बता दे की हादसा मुख्य सड़क पर हरैया गांव के मुख्य मार्ग पर हुआ है। बताया जा रहा है कि बोलेरो और स्विफ्ट डिजायर दोनों वाहन तेज़ रफ्तार से आ रहे थे और अचानक उनकी टक्कर हो गई। इस टक्कर के कारण दोनों गाड़ियों के आगे के हिस्से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, और गाड़ियों में सवार लोग बुरी तरह से घायल हो गए।

संक्षेप

संस्कृति उत्सव का होगा आयोजन

आजमगढ़,रूउत्तर प्रदेश पर्व– हमारी संस्कृति हमारी पहचान के अन्तर्गत संस्कृति उत्सव का आयोजन होगा। ब्लाक एवं तहसील स्तर के कलाकारों की प्रतियोगिता तहसील मुख्यालय पर 07–08 जनवरी होगी। तहसील स्तर के चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता जनपद मुख्यालय पर 10–12 जनवरी होगी। जनपद स्तर के चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता मंडल मुख्यालय पर 18–20 जनवरी को होगी। मंडल स्तर के चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 23 जनवरी को होगी। लखनऊ में संपन्न प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को उत्तर प्रदेश पर्व में प्रतिभाग के निण् पूर्वाभ्यास तथा 24–26 जनवरी तक चलेगा। उत्तर प्रदेश पर्व के अवसर पर अंतिम रूप से चयनित सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियां, सम्मान व पुरस्कार का वितरण किया जायेगा।

आलोक यादव बने प्रदेश सचिव

आजमगढ़। मार्टीनगंज तहसील क्षेत्र के सोहौली गांव निवासी आलोक यादव को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष श्याम पाल की संतुष्टि से आलोक यादव को छात्र सभा स पा का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है आज उनके आवास पर समाजवादी पार्टी के रामचेत यादव अरविंद कश्यप ललित राजभर दीपचंद यादव पहुंच करके उन्हें बधाई दी और मिठाई खिला करके पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आलोक यादव युवाओं में अपनी एक अलग पहचान और पकड़ रखते हैं उनके छात्र सभा में आ जाने से जहां छात्रों का मनोबल बढ़ेगा उनकी लड़ाई को आगे ले जाने में मदद मिलेगी।

वृक्षों से बधे मिले गोबंस

आजमगढ़। आजमगढ़ के सिधारी थाना क्षेत्र के बिहरोजपुर गांव में पशु तस्करी की सूचना पर विश्व हिंदू महासंघ व गोरक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए। वहीं, सूचना मिलते ही सिधारी थाने की पुलिस भी पहुंच गई।टीम को एक बाग में एक साथ करीब एक दर्जन गाय पेड़ से बंधे मिले। पदाधिकारियों ने इस मामले में सिधारी थाना प्रभारी से शिकायत दर्ज कराई और कार्रवाई करने की मांग की।विश्व हिंदू महासंघ, गोरक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी आशीष कुमार पांडेय ने बताया कि वह गो रक्षा के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर काम करते हैं। उन्होंने बताया कि सिधारी थाना क्षेत्र के बिहरोजपुर गांव में गो तस्करी की सूचना मिल रही थी। सूचना मिलते ही वह मेंहनजापुर से सीधे बिहरोजपुर गांव में अपने दल के साथ पहुंचे।गांव में स्थित एक बाग में कुल करीब 10 की संख्या में छुट्टा पशु बांधे हुए मिले। बताया कि उन्हें सूचना मिल रही थी कि दिन में पशुओं को यहीं बांध दिया जाता है। रात होने पर उन्हें यहां से वाहन के माध्यम से कहीं ले जाया जाता है। उन्होंने इसकी सूचना सिधारी थाने पर दी। सूचना मिलते ही सिधारी थाना प्रभारी शशिचंद्र चौधरी भी अपने टीम के साथ पहुंच गए। पुलिस इस मामले में जांच–पड़ताल करने में जुटी हुई है।

डीआईजी आजमगढ़ का तबादला

आजमगढ़। महाकुंभ मेला में नए डीआईजी की तैनाती की गई है। रविवार की सुबह–सुबह यह खबर सामने आई। इस बार दो आईपीएस अधिकारियों का तबादला हुआ है। अभी तक आजमगढ़ में तैनात रहे डीआईजी वैभव कुमार कृष्ण को महाकुंभ मेले का डीआईजी बनाया गया है। इसके साथ ही सुनील सिंह को आजमगढ़ का नया डीआईजी बनाया गया है। सुनील सिंह अभी तक पुलिस उपमहानिरीक्षक यातायात के पद पर तैनात थे। शासन से जारी तबादला आदेश में दोनों अधिकारियों से तत्काल अपना पदभार ग्रहण करने को कहा गया है।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु की बैठक अपरान्ह 3 बजे कैम्प कार्यालय के सभागार में आयोजित की गयी है। बैठक में समस्त सम्बन्धित अधिकारीगण/सदस्य समय से प्रतिभाग करें।

परीषदीय विद्यालयों में सुविधाएं दें

सोनभद्र। आयुक्त विंध्याचल मंडल मिर्जापुर डॉ मुथुकुमार स्वामी बी ने जनपद में परिषदीय विद्यालय के बच्चों को आधार कार्ड बनाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र के कार्य में तेजी लाने व बच्चों को मिड–डे–मील में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की समीक्षा बैठक किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि हर संभव प्रयास कर नौनिहालों की समस्याओं का समाधान कराया जाय। इस मौके पर जिलाधिकारी बीएन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दुर्घटना में बाईक सवार की गई जान

मीरजापुर। जिले में एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, पूरा मामला सड़क दुर्घटना से जुड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि जिले के लालगंज–दीपनगर मार्ग पर खजूरी गांव के सामने बीती रात एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक लालगंज कोतवाली क्षेत्र के पतार कला गांव निवासी अमित सिंह देर रात बाइक से खजूरी गांव के पास असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गए। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूचना पाकर पुलिस ने उन्हें सीएचसी लालगंज पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें देखकर मृत घोषित कर दिया।

दलित किशोर को तालिबानी सजा देने वाले 7 गिरफ्तार

मीरजापुर। जिले में पिछले दिनों घटित दिल दहला देने वाली घटना के मीडिया में उछलने के बाद पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार कर उन्हें विभिन्न धाराओं में पाबंद करते हुए जेल भेजा है। दरअसल, यह पूरा मामला मिर्जापुर के हलिया थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है जहां 31 दिसंबर 2024 को एक 14 वर्षीय दलित किशोर को कड़ाके की ठंड में चोरी का आरोप लगाकर तालिबानी सजा देते हुए मानवता को शर्मशार किया गया था। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है।पुलिस के मुताबिक 03 जनवरी 2025 को हलिया थाना क्षेत्रान्तर्गत एक बच्चे को चोरी के आरोप में मारने–पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके सम्बन्ध में थाना हलिया पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए घटना के सम्बन्ध मुअसं– 05ध2025 धारा 191(2),190,115(2),352,351(2),127(2),118(2) बीएनएस, 07 सीएलए एक्ट व 3(2)अ, 3(2)अं, 3(1)द,3(1)ध एससीध्एसटी एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी। कार्यवाही के क्रम में 04 जनवरी 2025 को प्रभारी निरीक्षक हलिया द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर हलिया क्षेत्रांतर्गत सोठिया चौराहे के पास से मामले से संबंधित 07 लोगों पन्नालाल पुत्र पुरषोत्तम, बब्लू उर्फ इन्द्रबहादुर पुत्र पन्नालाल, सुरेन्द्र कुमार पुत्र पन्नालाल निवासीगण सरहरा थाना हलिया, आशीष कुमार उर्फ रामभरोस पुत्र जीतननरायन, आत्माराम अग्रहरी पुत्र सतीश चन्द्र अग्रहरी, मनोज कुमार पटेल पुत्र सुरेश पटेल व कृष्ण बहादुर उर्फ धीरज पटेल पुत्र राजेश्वरी निवासीगण सोठिया खुर्द थाना हलिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

मुख्य सड़क मार्गों के किनारे लगाए संकेतक बोर्ड

कौशाम्बी। जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक शनिवार को कलेक्ट्रेट के उदयन सभागार में अपर जिलाधिकारी अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। पूर्व में हुई सड़क दुर्घटनाओं का ब्यौरा अपर जिला अधिकारी ने आरटीओ व ट्रैफिक पुलिस से लिया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन को निर्देश दिया है कि मुख्य सड़क मार्गों को किनारे संकेतक बोर्ड अवश्य लगाए।

अपर जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान कहा कि सड़क यातायात सुरक्षित हो और आम जनमानस को यात्रा के दौरान कोई असुविधा न हो। इसके मद्देनजर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग मुख्य सड़क मार्गों के किनारे संकेतक बोर्ड को लगवाना सुनिश्चित करें। साथ ही सुरक्षित आवागमन के दृष्टिगत अन्य आवश्यक उपायों को भी सुनिश्चित करें। पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर ब्लैक स्पॉट को समाप्त करने का भी निर्देश दिया। अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी द्वारा आश्वस्त किया गया कि यथाशीघ्र निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने मासिक बैठक में एआरटीओ को निर्देशित किया कि गाड़ियों की फिटनेस जांच गुणवत्तापूर्ण हो, इसको सुनिश्चित कराएं। मानक के अनुरूप न पाए जाने की दशा में उन्हें सीज करने की भी कार्यवाही करें। उन्होंने पुलिस व एआरटीओ को यातायात नियमों का पालन सख्ती के साथ करवाने का निर्देश दिया। एआरटीओ तारकेश्वर मल्य कि बताया कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु व्यापक स्तर पर जन जागरुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वाहन चलाने चलाते समय सावधानी बरतने के लिए लोगों को सलाह दी जाती है क्योंकि एक व्यक्ति के साथ उसका पूरा परिवार जुड़ा होता है और सड़क हादसों में प्रायः युवा वर्ग ही दुर्घटना का शिकार होता है, जिसका दुष्प्रभाव कहीं ज्यादा होता है। इसलिए सड़कों को सुरक्षित बनाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के साथ विभाग लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक बेसिक शिक्षा अधिकारी यातायात प्रभारी समेत कई अधिकारी व टैक्सी टेंपो यूनियन व बस यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

साइलेज विधि से दूर करें हरे चारे की कमी

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान के गौवंश विकास एवं अनुसंधान केन्द्र चित्रकूट में गुरुवार को भावाअशिप पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केंद्र प्रयागराज ने सूखे मौसम में हरे चारे की कमी को दूर करने के लिए ग्रामीणों को साइलिज बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत किया गया। इस पहल के तहत ग्रामीणों और पशु पालकों को साइलेज बनाने की प्रक्रिया सिखाई गई। कार्यक्रम के साथ ही चारा बैंक बनाने की विस्तृत जानकारी दी है। यह चारा बैंक भविष्य में पशु पालकों को हरे चारे की आपूर्ति सालभर करेगा। प्रयागराज से आई केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कहा कि साइलो में किण्वन प्रक्रिया फसलों के पोषक तत्वों को बनाए रखने में मदद करती है। जिससे पशुओं के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित होता है और यह एक भरोसेमंद, ऊर्जा समृद्ध चारा स्रोत बनता है। साइलेज में सूखी घास की तुलना में कहीं ज्यादा पौष्टिक तत्व और फीड के मुकाबले कम रसायन होते हैं। यह जानकारी वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज त्रिपाठी डीआरआई ने दी है।

चौलेंज कप के आयोजन को लेकर बैठक

आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन
चित्रकूट

चित्रकूट। भारतरत्न नानाजी देशमुख की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट चित्रकूट चौलेंज कप महिला व पुरुष के आयोजन के संबंध में आयोजक चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब एवं दीनदयाल शोध संस्थान के पदाधिकारियों की बैठक राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन के निर्देशन में एलआईसी तिराहा स्थित एक होटल में संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक भैरों प्रसाद मिश्र रहे। अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी क्लब के संरक्षक महेंद्र अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता वरिष्ठ संरक्षक आयोजन समिति अशोक गुप्ता एवं चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब के संरक्षक वरिष्ठ समाजसेवी रामबाबू गुप्ता, सहायक अभियंता सिंचाई विभाग इं गुरु प्रसाद, पूर्व हॉकी कोच प्रेम शंकर शुक्ला, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता शक्ति प्रताप तोमर, समाजसेवी राम मनोहर वर्मा, राम विशाल सोनी, कालिका प्रसाद श्रीवास्तव, प्राचार्य मदन तिवारी एवं पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी तुषारकांत शास्त्री आदि उपस्थित रहे । बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चित्रकूट चौलेंज कप का आयोजन स्थानीय सुरेंद्र पाल ग्रामोदय खेल प्रांगण में किया जाएगा। क्लब के संरक्षक डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल को टूर्नामेंट आयोजन समिति का अध्यक्ष बनाया गया। संयोजक के रूप में तुषारकांत शास्त्री को मनोनीत किया गया। दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी अनिल जायसवाल को प्रशासनिक प्रभारी, फील्ड संरचना, सुरक्षा एवं अनुशासन व्यवस्था प्रभारी सुरेंद्र पाल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य मदन तिवारी बनाए गए। बैठक में चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब के अशोक सेन, कमरुल इस्लाम, महेश प्रजापति, शशि भूषण सिंह सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का संचालन सर्वेश निगम एवं अतिथियों का आभार क्लब के संयोजक कमलेश कुमार ने जताया है।

चोरी के रुपये के साथ तीसरे आरोपी को पकड़ा

चित्रकूट। मऊ थाना पुलिस ने कस्बा मऊ में हुयी चोरी की घटना के तीसरे वांछित को चोरी के 14 सौ रुपये के साथ गिरफ्तार किया है। बताया गया कि कस्बा निवासी बालमुकुन्द पुत्र उमेशचन्द्र ने थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर पुलिस टीम ने घटना के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। तीसरा वांछित फरार चल रहा था। एसआई शिवपूजन सरोज ने टीम के साथ मंगलवार को घटना में शामिल गुड्डू निषाद पुत्र श्रीनाथ निवासी रेरुवा मैदाना को चोरी के 14 सौ रुपये के साथ पकड़ा है।

जयसिंहपुर में आठ नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनेंगे

सुलतानपुर(आरएनएस)। जयसिंहपुर विकास क्षेत्र में आठ नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाने को स्वीकृति मिल गई है। जहा ग्रामीणों को स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न योजनाओं की सुविधा मिलेगी। स्थानीय विकास खण्ड में कुल 89 ग्राम पंचायतें है। जिसकी टोटल जनसंख्या लगभग दो लाख तीस हजार है। अभी तक विकास क्षेत्र में तीस स्वास्थ्य उपकेंद्र संचालित है। अब सरकार ने आठ नए उपकेंद्र संचालित करने की स्वीकृति देकर उपकेंद्र के संचालन की कवायद तेज कर दी है। जल्द ही संबंधित आठ नए उपकेंद्र क्षेत्र के ग्रामीणों को लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। गर्भवती महिलाओं और पांच वर्ष तक के बच्चो की देखभाल टीकाकरण, वैक्सीन लगाने, पोलियो ड्रॉप पिलाने बच्चों में अंतराल रखने की सलाह वा गर्भनिरोधक उपाय अपनाने सम्बन्धी सलाह देने की जिम्मेदारी इन्हीं उपकेंद्र पर तैनात एएनएम के ऊपर होती है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जयसिंहपुर

एक उपकेंद्र के जिम्मे नियमानुसार पांच हजार की ही जनसंख्या की जिम्मेदारी होनी चाहिए। हिसाब से दो लाख तीस हजार की जनसंख्या पर 46 उपकेंद्र संचालित होने चाहिए। लेकिन क्षेत्र में अभी तक तीस उपकेंद्र के सहारे काम निपटाया जाता रहा है। सरकार ने उपकेंद्र की कमी को देखते हुए अब आठ नए उपकेंद्र मसीरपुर, अठैसी, बगिया गांव, अर्जुनपुर, चोरमा, सुरौली, भभोट माधवपुर छतौना गांव में संचालित करने की स्वीकृति प्रदान कर उपकेंद्र पर फनीचर सहित अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति सीएचसी जयसिंहपुर पर कर दी है। गौरतलब हो कि अभी किराए के भवन में यह उपकेन्द्र संचालित होंगे।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े का हुआ समापन

चित्र.कूट। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अन्तर्गत एआरटीओ विवेक कुमार शुक्ला एवं पीटीओ दीप्ति त्रिपाठी ने समापन अवसर पर आमजन को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई। इस दौरान ट्रक, टैक्सी, टैम्पों एवं बस एशोशिएयन के पदाधिकारी उपस्थिति रहे। एनजीओ, गुड सेमेरिटन, मास्टर ट्रेनर एवं रोड सेफ्टी क्लब के कर्मिकों को प्रशस्त्रि पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के तहत दो पहिया चालकों को हेलमेट वितरित्त किये गये। इस अवसर पर टैम्पो, टैक्सी, बस यूनियन के पदाधिकारियों में राजू गुप्ता, महेन्द्र त्रिपाठी, दीनू गौतम, पवन मालवीय, ज्ञानेन्द्र शुक्ला, अन्नू, बबलू, विमल महाराज, मुनेन्द्र तिवारी, रंजीत कुमार, अजय कुमार, अरूण कुमार पांडेय, अंकित सिंह एवं प्रवर्तन सिपाही दामोदर तिवारी आदि मौजूद रहे।

मुठभेड़ में इनामी बदमाष घायल, गिरफ्तार

जौनपुर (आरएनएस)। जिले की मुंगराबादषाहपुर पुलिस और स्वाट टीम ने कार्रवाई करते हुए 25 हजार के इनामिया को गिरफ्तार किया है। उसकी कई दिनों से तलाश की जा रही थी। उसने पुलिस पर फायरिंग के साथ ही बम भी फेंक दिया था। पुलिस के अनुसार पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त मुठभेड़ में अंतर्राज्यीय शातिर अभियुक्त पशु तस्कर पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। उसके पास से एक पिकअप, एक तमंचा, एक खोखा, दो जिंदा कारतूस, 7 देशी बम, एक कुल्हाड़ी, एक लोहे की जंजीर बरामद किया। इसके ऊपर 25 हजार का इनाम भी है। मुंगराबादषाहपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र आपरेशन वज्र के तहत वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थाना क्षेत्र में भ्रमणशील होकर चौकी क्षेत्र सतहरिया से हाइवे पर होते हुए सुजानगंज ओवरब्रिज के नीचे पहुंचे। वहां पर उपनिरीक्षक अरविंद यादव, विनोद सिंह मय हमराह गस्त पर थे।स्वाट टीम द्वितीय के प्रभारी निरीक्षक रामजनम यादव द्वारा सूचना दी गयी कि कुछ पेशेवर बदमाश एक पिकअप गाड़ी लेकर क्षेत्र मे पशु चोरी की घटना को अंजाम देने हेतु धूमते देखा गया है। थाना प्रभारी ने सभी को सचेत किया। एक पिकअप गाड़ी मे तीन चार बदमाश सुजानगंज की तरफ से मुंगराबादशाहपुर की तरफ आ रहे है।स्वाट टीम के द्वारा पीछा किया जा रहा है। पुलिस टीम सुजानगंज रोड की तरफ बढ़े तो कुछ दूर पर गाड़ी दिखी जिसके पीछे स्वाट टीम लगी थी।पुलिस टीम गाड़ी की घेराबंदी किया गया। गाड़ी चालक द्वारा जान से मारने की नियत से बम फेक गया और जान से मारने हेतु पुलिस वालों पर फायर किया। पुलिस टीम बाल बाल बच गई। रामपुर तिराहे से गाड़ी मोड़कर भागे जो कुछ दूर पर गाड़ी बंद कर दाहिने से उतरकर एक व्यक्ति निशाना करके जान से मारने की नियत से पुनः पुलिस पर फायर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक व स्वाट टीम प्रभारी निरीक्षक द्वारा पिस्टल से फायर किया जिससे एक रविंद्र वर्मा निवासी मखदूमपुर थाना खुटहन जौनपुर के दोनों पैर मे गोली लग गयी।

लापता छात्र की नही मिली लोकेशन, जांच

मसौली, बाराबंकी। संदिग्धों परिस्थितियों में लापता हुए छात्र की शिनाख्त के लिए दूसरे दिन भी एसडीआरएफ टीम मसौली पुलिस के साथ सर्च ऑपरेशन में लगी रही।लेकिन सफलता नही मिल सकी। रविवार को सागर इंस्टीट्यूट में प्रेक्टिकल की परीक्षा देने गये थाना क्षेत्र जहाँगीराबाद के लालापुरवा निवासी शुभम तिवारी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गये। जबकि शुभम की बाइक शहाबपुर नहर के पास बरामद हुई थी। जिसकी गुमशुदगी की तहरीर मसौली पुलिस को पिता सुशील कुमार तिवारी ने दी थी।

पीड़ित की तहरीर पर हरकत में आई मसौली पुलिस ने गोताखोरों व एसडीआरएफ टीम ने दूसरे दिन भी सीओ रामनगर सौरभ श्रीवास्तव व एसएचओ यशकांत सिंह के नेतृत्व में सर्च ऑपरेशन चलाकर शहाबपुर नहर में काफी खोजबीन की लेकिन टीम को कोई सफलता नही मिल सकी।

सेमीफाइनल में पहुंची एन ई रेलवे की टीम

कुशीनगर। जनपद के फाजिलनगर कस्बा स्थित पावानगर महावीर इण्टर कालेज के राज मालती स्टेडियम में आयोजित 19वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में एनई रेलवे की टीम ने थ्रीएस एकेडमी दिल्ली को हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। एनईआर के खिलाड़ी प्रशान्त अवस्थी को आल राउंड प्रदर्शन के लिए मैन आफ द मैच चुना गया।

गुरुवार को दस बजे से शुरू हुए इस प्रतियोगिता में रेलवे के कप्तान अंकित यादव ने टांस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की टीम निर्धारित 30 ओवरों के मैच में 23वें ओवर के अंतिम गेंद पर सभी विकेट गंवाकर मात्र 131 रन ही बना पाई। दिल्ली के तरफ से बल्लेबाजी करते हुए अब्दुल वहाब ने 47 गेंदों पर चार छक्के चार चौकों के मदद से नवाद 54 रन, एकान्त ठाकुर ने 49 गेंदों पर एस छक्का पांच चौकों के मदद 38 रन, अंकुर कौशिक तीन चौकों के मदद से 14 रनों का योगदान दिया। दिल्ली के टीम शुरुआत बेहद खराब रही। उनके टीम के तीन खिलाड़ी बिना खाता खोले तो तीन खिलाड़ी पांच रन के अन्दर ही आउट हो चुके थे। रेलवे के तरफ से गेंदबाजी करते हुए शमशुल हक, प्रशांत अवस्थी, राजनायक, त्रिशाल त्रिवेदी ने दो– दो विकेट जबकि शिवम दीक्षित ने एक लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेलवे की टीम ने 21वें ओवर के अंतिम गेंद पर सात विकेट गंवाकर मैच को जीता लिया। जिसमें अंकित यादव ने 36 गेंदों पर तीन छक्के तीन चौकों के मदद से 40 रन, प्रशान्त अवस्थी ने 38 गेंदों पर दो छक्के, तीन चौकों के मदद से 36 रन, अभिषेक पाण्डेय और शिवम दीक्षित ने 14–14 रनों का योगदान दिया। दिल्ली के तरफ से गेंदबाजी करते हुए स्वरित यादव ने छ ओवर डालकर 42 रन देते हुए चार विकेट, अक्ष्य सिंघल ने दो तथा कप्तान ने एक विकेट लिया। रेलवे के खिलाड़ी प्रशान्त अवस्थी को 36 रन बनने के साथदो विकेट लेने पर मैन आफ द मैच का पांच हजार नगद पुरस्कार कुशीनगर महोत्सव के संयोजक तथा वरिष्ठ पत्रकार विनय राय ने दिया। इसके पहले मैच का शुभारंभ क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर अश्वनी मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस दौरान संरक्षक तथा शहीद मेजर के बड़े भाई पूर्व आरटीओ अजय त्रिपाठी, शासकीय अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, रामानुज पाण्डेय, सीओ जोश, डॉ केपी सिंह, राजन शुक्ला, सुनील प्रजापति,चंदन दुबे अयान,अनिल गुप्ता, विनीत कुमार बंटी, टीएन राय, उदयभान सिंह,डॉक्टर बिना गुप्ता, रियाजुदीन सिद्दीकी,दरोगा भाई,प्रफुल राय,सिंह, मंजूर आलम, प्रदीप सिंह, गुड्डू चौहान, शिवम त्रिपाठी, भास्कर राय,पंकज ओझा, पिंटू सिंह, गुड्डू सिंह, पिंटू राय आदि उपस्थित रहे।

भारतीय रेलवे ने पहले नौ महीनों में 76६ पूंजीगत व्यय का उपयोग किया

नईदिल्ली। भारतीय रेलवे ने 2024–25 के लिए कुल बजटीय अनुदान का 76 प्रतिशत उपयोग किया है। बजट अनुमान 2024–25 में रेलवे के लिए कुल पूंजीगत व्यय 2,65,200 करोड़ रुपये है, जिसमें सकल बजटीय सहायता 2,52,200 करोड़ रुपये है। वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए कुल बजटीय अनुदान 260200 करोड़ रुपये था, जिसमें सकल बजटीय सहायता 2,40,200 करोड़ रुपये था। भारतीय रेलवे ने पूंजीगत व्यय में अच्छी प्रगति की है। दिसंबर 2024 के अंत तक रेलवे ने पूंजीगत आवंटन का लगभग 2,00,805 (76:) उपयोग किया है, जो वित्तीय वर्ष 23–24 की तुलना में 4875 करोड़ रुपये अधिक है। दिसंबर 2024 तक सकल बजटीय सहायता के तहत पूंजीगत व्यय 191248 करोड़ रुपये है। जो दिसंबर 2023 तक 1,85,451 करोड़ था। सकल बजटीय सहायता उपयोग पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 3.12: अधिक है। भारतीय रेलवे ने नई लाइनें, गेज परिवर्तन, दोहरीकरण, यातायात सुविधा कार्य, रेलवे विद्युतीकरण, सार्वजनिक उपक्रमों और महानगरीय परियोजनाओं में निवेश जैसे क्षमता वृद्धि पर 81713 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वित्तीय वर्ष के पहले 9 महीनों में सुरक्षा से संबंधित पूंजीगत व्यय का 82६ खर्च किया गया। वित्तीय वर्ष 24–25 के लिए कुल बजटीय ग्रांट 34414 करोड़ है। रेलवे पहले ही 28063 करोड़ खर्च कर चुका है। ग्राहक सुविधाओं के लिए, चालू वित्तीय वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय 15315 करोड़ है। रोलिंग स्टॉक के लिए, 50903 करोड़ का प्रावधान था। इसमें से 40354 करोड़ दिसंबर 2024 तक खर्च किए गए थे जो रोलिंग स्टॉक के लिए आवंटित बजट का 79६ है।

नागा संन्यासियों के श्री तपोनिधि आनंद अखाड़े ने महाकुम्भ क्षेत्र में प्रवेश किया।

महाकुम्भ नगर। ग्रह–नक्षत्रों के विशिष्ट खगोलीय संयोग से 144 वर्ष बाद पड़ रहे महाकुम्भ 2025 के दिव्य–भव्य आयोजन में सभी अखाड़े तिथि और परंपरा अनुसार महाकुम्भ मेला क्षेत्र में छावनी प्रवेश कर रहे हैं। इसी क्रम में भगवान सूर्य को अपना इष्टदेव मानने वाले श्री तपोनिधि आनंद अखाड़े ने सोमवार को परंपरा अनुसार महाकुम्भ में छावनी प्रवेश किया। शैव परंपरा के श्री तपोनिधि आनंद अखाड़े ने हाथी, घोड़ों, रथ, ऊंट पर सवार नागा संन्यासियों, आचार्य, मण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वरों ने बाजे–गाजे के साथ मेला क्षेत्र में प्रवेश किया। छावनी प्रवेश यात्रा में साधु–संन्यासियों का नगर और मेला प्रशासन ने माल्यार्पण और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तो वही प्रयागराजवासियों ने भी नागा संन्यासियों का दुलर्भ दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया।

संगम क्षेत्र में प्रवेश किया।

महाकुंभ नगर। आनंद अखाड़े की भव्य शोभा यात्रा में बाजे–गाजे के साथ सबसे आगे धर्म ध्वजा चल रही थी। उसके पीछे धर्म के रक्षक नागा संन्यासियों की टोली हाथों में भाले, बरछी, तलवार लेकर इष्टदेव भगवान सूर्य का विग्रह लेकर चल रहे थे। छावनी प्रवेश यात्रा में भगवान सूर्य के साथ गुरु निशान लेकर चल रहे थे जो मेला क्षेत्र के अखाड़े में स्थापित की गई। भगवान सूर्य के जयघोष के साथ अखाड़े के आचार्य, मण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वर अपने–अपने रथों, हाथी, घोड़ों पर सवार हो कर छावनी यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। छावनी यात्रा में अखाड़े के अध्यक्ष शंकरानंद गिरि, आचार्य महामण्डलेश्वर बालकानंद गिरि के मार्गदर्शन में महामण्डलेश्व सुरेन्द्रानंद गिरि, सचिव बरेली के कालू गिरि महाराज के साथ ही महिला महामण्डलेश्वर साध्वी मंजू, श्री जी आदि साधु–संन्यासियों ने नगर वासियों को आशीर्वाद देते हुए मेला क्षेत्र में प्रवेश किया।

डॉ राम लखन चौरसिया के कहानी सग्रह की पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में चल रहे पांच दिवसीय श्ग्लोबल आयुष एक्सपो 2025श मेले में संजीवनी वेल्फेयर सोसाइटी एवं एसडब्लूएस आर्ट्स के तत्वावधान में रविवार को कवि सम्मेलन एवं मुशायरा आयोजितकया गया। डॉ. राम लखन चौरसिया के कहानी सग्रहश बूढ़ी मांश पुस्तक का विमोचन भी किया गया। जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं शायर एमए हसीन, मुख्य अतिथि ऑल इंडिया रेडियो के असिस्टेंट डायरेक्टर अशरफ अली बेग और विशिष्ट अतिथि शाकिर हुसैन तशना शमिल रहे। बतौर मुख्य वक्ता तलत महमूद ने बूढ़ी मां किताब के बारे में विस्तार से चर्चा की। संचालन निजाम हसन पूरी ने किया।

निकलेगी रथ यात्रा,देगी स्वच्छता का सन्देश

प्रयागराज।। प्रयागराज नगर निगम महाकुम्भ के आयोजन में अब सिर्फ सात दिन बचे हैं। इसके सफल आयोजन के लिए नगर निगम हर संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में मंगलवार 7 जनवरी 2025 को 'स्वच्छ महाकुम्भ' का सन्देश देने के लिए रथ यात्रा निकाली जाएगी। सुबह 10 बजे कोतवाली चौक से शुरू होकर रथ यात्रा लोकनाथ, सुलाकी चौराहा होते हुए रामभवन चौराहे पर खत्म होगी। यात्रा का शुभारम्भ महापौर श्री गणेश केसरवानी जी करेंगे। इस दौरान पार्षदगण, नगर निगम कर्मचारी और सफाई मित्र मौजूद रहेंगे। नुक्कड़ नाटक और स्वच्छता संगीत बैंड की होगी प्रस्तुति। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से होगी, जिसमें कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक और स्वच्छता संगीत बैंड की प्रस्तुति दी जाएगी । इसके बाद माननीय महापौर द्वारा संबोधन और स्वच्छ रथ का शुभारंभ किया जाएगा । सुलाकी चौराहे पर स्थानीय लोगों द्वारा स्वच्छता रथ का स्वागत किया जाएगा । यहां से रथ यात्रा रामभवन चौराहे की ओर रवाना होगी । रामभवन चौराहे पर रथ यात्रा के समापन के साथ लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई जाएगी ।

जम्मू–कश्मीर, तेलंगाना और ओडिशा में रेल ढ़ांचा परियोजनाओं के शुभारंभ से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने नए जम्मू रेलवे डिवीजन का उद्घाटन किया। उन्होंने पूर्वी तटीय रेलवे के रायगढ़ रेलवे मंडल भवन की आधारशिला भी रखी और तेलंगाना में चरलापल्ली नए टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया। गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर सबको अपनी शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि गुरु गोविंद सिंह की शिक्षाएं और जीवन एक सुदृढ़ और समृद्ध राष्ट्र के दृष्टिकोण के लिए प्रेरित करते हैं। आवागमन संपर्क में भारत की तेज प्रगति की सराहना करते हुए श्री मोदी ने कहा कि 2025 के आरंभ में ही भारत ने अपने मेट्रो रेल नेटवर्क को 1000 किलोमीटर से अधिक तक विस्तारित करने के साथ अपनी पहल को गति दे दी है। उन्होंने कल दिल्ली मेट्रो परियोजनाओं के शुभारंभ के साथ–साथ दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नमो भारत ट्रेन के उद्घाटन का उल्लेख किया। मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात को फिर प्रमाणित करता है कि सारा देश एक साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है और जम्मू–कश्मीर, ओडिशा और तेलंगाना में आरंभ की गई रेल परियोजनाएं देश के उत्तर, पूर्व और दक्षिण क्षेत्रों के लिए आधुनिक आवागमन संपर्क की एक बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री ने फिर दोहराया कि सबका साथ, सबका विकास का मंत्र विकसित भारत की भविष्यदृष्टि को वास्तविकता में बदल रहा है। उन्होंने इन परियोजनाओं के लिए संबंधित राज्यों के लोगों और देश के सभी नागरिकों को बधाई दी। कहा कि देश में समर्पित माल ढुलाई गलियारे जैसे आधुनिक रेल नेटवर्क पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि ये विशेष गलियारे नियमित पटरियों पर बोझ कम करेंगे और उच्च गति की रेल गाड़ियो का अधिक परिचालन होगा। इस बात पर जोर दिया कि मेड इन इंडिया को बढ़ावा देने के साथ रेलवे में भी परिवर्तनकारी सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेट्रो और रेलवे के लिए आधुनिक कोच विकसित किए जा रहे हैं। स्टेशनों को पुनर्विकसित किया जा रहा है, स्टेशनों पर सौर पैनल लगाए जा रहे हैं और रेलवे स्टेशनों पर एक स्टेशन, एक उत्पाद की दुकानें खोली जा रही हैं। ये सभी पहल रेलवे क्षेत्र में रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न कर रहे हैं। पिछले एक दशक में लाखों युवाओं को रेलवे में स्थायी सरकारी नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि नए रेल कोच बनाने वाली फैक्ट्रियों में कच्चे माल की मांग से अन्य क्षेत्रों में भी रोजगार के अधिक अवसर उत्पन्न हुए हैं। रेल संबंधित विशेष कौशल को ध्यान में रखते हुए देश का पहला गति–शक्ति विश्वविद्यालय भी स्थापित किया गया है। रेलवे नेटवर्क के विस्तार के साथ ही नए रेल मंडल और मुख्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, जिसका लाभ जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और लेह–लद्दाख जैसे क्षेत्रों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लाइन के साथ ही जम्मू–कश्मीर रेल बुनियादी ढांचे में नई उपलब्धि हासिल कर रहा है, जिसकी चर्चा आज पूरे देश में हो रही है। श्री मोदी ने कहा कि दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज– चिनाब ब्रिज का निर्माण पूरा होने से यह शेष भारत से इस क्षेत्र को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और लेह–लद्दाख के लोगों को काफी सुविधा होगी। अंजी खड्ड ब्रिज भी इस परियोजना का हिस्सा है जो देश का पहला केबल आधारित रेलवे पुल है । उन्होंने कहा कि चिनाब ब्रिज और अंजी खड्ड पुल इंजीनियरिंग के बेजोड़ उदाहरण हैं जो क्षेत्र में आर्थिक प्रगति और समृद्धि को बढ़ावा देते हैं। ओडिशा में प्रचूर प्राकृतिक संसाधन और विशाल समुद्र तट है जिससे वहां अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 70,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं, साथ ही सात गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों की भी स्थापना की गई है, जिससे व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि आज ओडिशा में रायगढ़ रेलवे मंडल की आधारशिला रखी गई है, जो राज्य के रेलवे अवसंरचना ढांचे को मजबूती देगा और इससे विशेष कर दक्षिण ओडिशा में पर्यटन, व्यवसाय और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा जहां बड़ी संख्या में आदिवासी परिवार रहते हैं। तेलंगाना में चरलापल्ली नए टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन करते हुए आउटर रिंग रोड से जुड़कर क्षेत्रीय विकास को बढ़ाने की इसकी क्षमता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आउटर रिंग रोड से जुड़ा यह स्टेशन क्षेत्र में विकास को काफी बढ़ावा देगा। स्टेशन के प्लेटफॉर्म, लिफ्ट, एस्केलेटर, सौर ऊर्जा से संचालित आधुनिक सुविधाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह संवहनीय बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में बढ़ता कदम है। उन्होंने कहा कि नया टर्मिनल सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा के मौजूदा स्टेशनों पर भीडभाड़ का दबाव कम करेगा जिससे लोगों की यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी। ऐसी परियोजनाएं जीवन को सुगम बनाने के साथ ही भारत के व्यापक बुनियादी ढांचे के लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए व्यापार सुगमता भी बढ़ाती हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत अभी एक्सप्रेसवे, जलमार्ग और मेट्रो नेटवर्क सहित बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर आज 150 से अधिक हो गई है और देश भर में मेट्रो सेवाओं का विस्तार 5 शहरों से 21 शहरों तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं विकसित भारत की दिशा में व्यापक भविष्य योजना का हिस्सा हैं, जो अब इस देश के प्रत्येक नागरिक का मिशन है। भारत की प्रगति के प्रति भरोसा व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर विकास को और गति देंगे। उन्होंने इन सभी उपलब्धियों के लिए देश के लोगों को बधाई दी और राष्ट्र निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना, राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार, ओडिशा राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, तेलंगाना के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, जम्मू–कश्मीर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री श्री उमर अब्दुल्ला, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महाकुम्भ की हर चुनौती के लिए तैयार है आरपीएफ – आईजी

प्रयागराज इस महा आयोजन में लगभग 40 से 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना है। जिसमें से यात्रियों/श्रद्धालुओं का बहुत बड़ा भाग रेल यात्रा के माध्यम प्रयागराज पहुॅचेगा। आईजी आरपीएफ श्री अमिय नन्दन सिन्हा के द्वारा बताया गया कि आरपीएफ उत्तर मध्य रेलवे महाकुम्भ–2025 को सुरक्षित व सफल बनाने के लिए एकदम तैयार है और सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। आरपीएफ सभी यात्रियों/श्रद्धालुओं की इस धार्मिक व पावन यात्रा को सफल एवं सुखद बनाने के लिए हर स्तर पर स्वयं को तैयार कर यात्रियों की सेवा के लिए एकदम तैयार है। आईजी आरपीएफ के द्वारा अवगत कराया कि आरपीएफ के समक्ष इस महाकुम्भ के दौरान तीन बड़ी चुनौतियां सबोटेज, भगदड़ व आपदा (आगजनी, बम विस्फोट इत्यादि) प्रमुख हैं इसके लिये आर.पी.एफ. के द्वारा कुछ विशेष प्रबंध किये गये हैं–

☐ सबोटेजः– इस महा आयोजन के दौरान बाहरी असामाजिक तत्वों द्वारा रेलवे ट्रैक व ट्रेनों के साथ तोड़ फोड़ की घटनाऐं कर व्यवधान उत्पन्न करने की आशंका बहुत प्रबल है। जिसके लिए आर.पी.एफ./उत्तर मध्य रेलवे द्वारा– महाकुम्भ–2025 की चुनौतियों से निपटने के लिए आरपीएफ व आरपीएफ की विशेष कम्पनियों के लगभग 5000 जवानों को स्टेशनों व ट्रैक की सुरक्षा में लगाया गया है। आरपीएफ की विशेष कमाण्डों कम्पनी कोरस कमाण्डों को भी सुरक्षा व किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु तैनात किया गया है। ड्रोन कैमरों के द्वारा स्टेशनों, ट्रेनों व रेल लाइनो की निगरानी की जायेंगी। आरपीएफ/उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा रेलवे ट्रैक पर तोड़फोड़ व छेड़छाड़ से प्रभावित/संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर ऐसे स्थानों पर 24 घण्टे जीआरपी/सिविल पुलिस व रेलवे इन्जीनियरिंग विभाग के साथ मिलकर ट्रैक पेट्रोलिंग कराने की योजना तैयार की गयी है।

☐ सभी संदिग्धों पर निगरानी हेतु रेल सुरक्षा बल /उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा अपने खुफिया तंत्र व क्राइम यूनिटों को तैनात किया गया है। जो सभी केन्द्रीय व राज्य की आसूचना शाखाओं से लगातार समन्वय बनाये हुए है, ताकि किसी संदिग्ध की भी जानकारी छूटने न पाये।

रेलवे ट्रैक के आस–पास सभी गांवो, कस्बों, झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों व उनमें बाहर से आने वालों की गतिविधियों के बारे में इनपुट जुटाकर सुरक्षा घेरा मजबूत करने की कवायद की जा रही है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज परिक्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर लगभग 1000 सीसीटीवी कैमरों को लगाया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में थ्टै से लैस कैमरों को लगाया गया है तथा उनमें हजारो अपराधियों के फोटो व डाटा को अपलोड किया गया है। ताकि कोई भी अपराधी स्टेशन पर प्रवेश करने से पूर्व ही पकड़ा जा सके। सभी महत्वपूर्ण व विशेष ट्रेनों में कुशल व प्रशिक्षित जवानों को स्कोर्टिंग हेतु लगाया जायेगा। सभी महत्वपूर्ण व विशेष में कुशल व प्रशिक्षित जवानों को स्कोर्टिंग हेतु लगाया जायेगा। रेलवे ट्रैक के आस–पास महत्वपूर्ण स्थानों व रेलवे समपार फाटकों पर भी सीसीटीवी लगाये गये है तथा आरपीएफ जवानों को तैनात किया गया है।

02. भगदड़ – स्टेशनो पर यात्रियों/श्रद्धालुओं की भारी संख्या में आवागमन के कारण बाहरी असामाजिक तत्वों द्वारा भीड़ में अफवाह फैलाकर यात्रियों को नुकसान पहुंचाने की प्रबल सम्भवना है, इसके लिये आर.पी.एफ./उत्तर मध्य रेलवे द्वारा– स्टेशनों पर सभी दिव्य स्नानों के दौरान इन्टरनल मूवमेन्ट प्लान के अनुसार ही यात्रियों का प्रवेश व निकास कराया जायेगा। स्टेशनों पर भीड़ बढ़ने की स्थिति में एक्सटरनल मूवमेन्ट प्लान के तहत श्रद्धालुओं को अलग–अलग स्थानों की ओर डायवर्ट करते हुए स्टेशन पर लाया जायेगा। उत्तर मध्य रेलवे रेल प्रशासन द्वारा महाकुम्भ –2025 के लिए 3134 स्पेशल ट्रेनों को चलाने का प्लान तैयार किया गया है।

☐ यात्रियों के लिये अलग–अलग स्थानो की जाने के लिये सभी स्टेशनों पर अलग–अलग रंग के बाड़े तैयार किये गये है।

☐ सभी यात्रियों/श्रद्धालुओं को स्टेशन एवं प्लेटफार्म पर बाड़ों मे प्रवेश के उपरान्त ही ले जाया जायेंगा। आर.पी.एफ. जवानो की टीम सभी बाड़ों मे प्रवेश द्वारों, बाड़ों के अन्दर फुट ओवर ब्रिज एवं प्लेटफार्मों पर हर स्थान पर तैनात की गयी है ताकि सभी यात्रियों को सुरक्षित ट्रेनों में बैठाकर उनके गतंब्य की ओर रवाना किया जा सकें।

☐ किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आरपीएफ/जीआरपी, मेडिकल व रेल के अन्य विभागों के साथ मिलकर विशेष टीम त।ज का गठन किया गया है, जो प्रयागराज परिक्षेत्र के सभी स्टेशनों पर तैनात रहेगी। सभी स्टेशनों पर फायर ब्रिगेड के साथ–साथ एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमे तैनात रहेगीं। जवानों द्वारा लगातार पीए सिस्टम के माध्यम से यात्रियों/श्रद्धालुओं को किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने व अन्जान वस्तु की सूचना तत्काल आरपीएफ को देने हेतु अवगत कराया जायेगा।

03. आपदा (आगजनी, बम विस्फोट इत्यादि) – सभी स्टेशनों पर आगजनी, बम विस्फोट जैसी घटनाओं के निपटने के लिये विशेष प्रबंध किये गये है– स्टेशन में यात्री को प्रवेश पाने से पूर्व प्रवेश द्वारो पर वैगेज स्कैनर, डीएफएमडी, एचएचएमडी, वैपर डिटेक्टर, डॉग स्क्वाड व स्टाफ की पैनी व सतर्क चेकिंग प्रक्रिया से गुजरना होगा। सभी स्टेशनों पर फायर ब्रिगेड के साथ–साथ एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमे तैनात रहेगीं। आरपीएफ/उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा महाकुम्भ–2025 में विशेष सुरक्षा हेतु ड्रोन कैमरों का भी उपयोग किया जायेगा। जिनके माध्यम से यात्रियों की आने वाली भारी भीड़ पर निगरानी के साथ–साथ भीड़ में छिपे असामाजिक तत्वों पर भी ड्रोन में लगे विशेष शाक्तिशाली कैमरों के माध्यम से नजर रखी जायेगी। ड्रोन कैमरों के माध्यम से प्लेटफार्मो, रेलवे यार्ड, रेलवे ट्रैक व आस–पास के एरिया में निगरानी रखी जायेगी और इन सभी ड्रोन कैमरों की लाइव फुटेज रेल सुरक्षा बल के महाकुम्भ मेला कण्ट्रोल टॉवर में प्राप्त होती रहेगी। ड्रोन कैमरों की तकनीक व उपयोग हेतु रेल सुरक्षा बल/जीआरपी/सिविल पुलिस के स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

☐ उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज परिक्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर थ्टै से लैस सीसीटीवी कैमरों की निगरानी सतर्क व प्रशिक्षित जवानों को तैनात किया गया है। ताकि स्टेशन व स्टेशन एरिया में हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। बम व किसी भी संदिग्ध वस्तु को खोज निकालने के लिए आरपीएफ के विशेष रूप से प्रशिक्षित 22 स्वानों को व बम निरोधक दस्ता को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त आरपीएफ, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा– रेल सुरक्षा बल के सभी जवानों को भीड़ प्रबन्धन, दंगा नियन्त्रण, आगजनी जैसी–आपात स्थितियों से निपटने के साथ–साथ सभी श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व मधुर व्यवहार करने, सेवा भाव से ड्यूटी करने, फर्स्ट एड व सीपीआर सम्बन्धी सभी प्रशिक्षण दिये गये है। सभी आरपीएफ जवानों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए शारीरिक व्यायाम, योग व ध्यान जैसे विशेष प्रशिक्षण दिये गये है ताकि सभी जवान पूरे जोश व मनोरथ से ड्यूटी कर सकें।

☐ रेल सुरक्षा बल के सभी स्टाफ को यात्रियों/श्रद्धालुओ की हर सम्भव सहायता में सेवा भाव से सदैव तत्पर रहने का संकल्प भी दिलाया गया है।

प्रेमलता सिंह ने ली नगर पालिका अध्यक्ष पद और गोपनीयता की शपथ

प्रयागराज नव निर्वाचित नगर पालिका परिषद बेल्हा अध्यक्ष प्रेमलता सिंह जी का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम का आयोजन शहर के किशोरी सदन में किया गया। जिसमें नव निर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता सिंह ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह व परिवहन मंत्री/जनपद के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह मुख्य अतिथि के रुप में हुए शामिल। इस अवसर मंत्री जी ने जनपद प्रतापगढ़ की नवनिर्वाचित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रेमलता सिंह जी के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होकर उन्हें शुभकामनायें दी और प्रतापगढ़ नगर की देव तुल्य जनता जनार्दन का धन्यवाद दिया। जिन्होंने पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष स्व हरि प्रताप सिंह जी के असमय निधन से दुखी परिवार को अपना आशीर्वाद देकर दुख को कम करने का प्रयास किया। शपथ ग्रहण समारोह में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव।

MAHA KUMB
माँ गंगा के प्रति माँ जैसा सम्मान जगाएँ, तो मुमकिन है स्वच्छ गंगा
गंगा को बहने दें
गंगा की धारा ही जीवन का सहारा है

महाकुंभ नगर में गंगा नदी को स्वच्छ बनने का संदेश देते अंतर्राष्ट्रीय मूंछ नर्तक और समाजसेवी राजेंद्र कुमार तिवारी।

सात से नौ जनवरी तक डॉ. कुमार विश्वास करेंगे राम रस धारा की अमृतवर्षा

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक,धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन महाकुम्भ 2025 के ठीक पहले सनातन संस्कृति के शीर्षतम महापुरूष भगवान प्रभु श्री राम के जीवन महात्म्य के गुणगान के लिए संगम नगरी प्रयागराज में भारत स्काउट गाइड के सामने 8 चौथम लाइन में नन्दी सेवा संस्थान द्वारा दिनांक सात से नौ जनवरी तक प्रभु श्री राघवेंद्र सरकार की महिमा, यश, कीर्ति एवं शौर्य के गुणगान महोत्सव अपने–अपने राम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रख्यात कवि, रामरस धारा के मूर्धन्य मर्मज्ञ डॉ कुमार विश्वास जी प्रभु श्री राम के मर्यादा, शील, करूणा, पराक्रम, आदर्श से परिपूर्ण कृतित्व एवं जीवन चरित्र का यशोगान करेंगे। प्रभु श्री राघवेंद्र सरकार की महिमा, यश, कीर्ति एवं शौर्य का गुणगान होगा। पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने बताया कि ष्अपने अपने राम' में प्रभु श्री राम की महिमा का श्रवण करने के लिए प्रयागराज के प्रतिष्ठित न्यायमूर्तिगण,चिकित्सकों, बुद्धिजीवियों,अधिवक्ताओं के साथ ही,समाज सेवकों,विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। यह तीन दिवसीय महोत्सव प्रभु श्रीराम के जीवन के गाथाओं और उनके अद्वितीय योगदान का विस्तार से गुणगान करेगा। यह एक ऐसा पर्व होगा, जिसमें हम सबको भारतीय संस्कृति के महान प्रतीक श्रीराम के पुण्य स्मरण का अद्वितीय सौभाग्य मिलेगा। प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान करते हुए यह आयोजन हमारे सांस्कृतिक धरोहर के प्रति सम्मान और समर्पण का प्रतीक बनेगा। पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने बताया कि अतिथि एवं श्रोताओं के अनुभव को अविस्मरणीय बनाने के लिए मंच से लेकर पंडाल को भव्य एवं दिव्य स्वरूप दिया गया है। सभी के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था के साथ ही उनकी सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062